



पेज-06

# आज की जनधाारा

सीधी और सच बात, साहस के साथ

वेब संस्करण

www.aajkiandhara.com

www.jandhara.in

Jandhara24x7

@AJandhara/Jandhara24/7

Aajki.Jandhara & Jandhara24x7

6232949114, 8959444440

तारीख : 01, अंक : 214, जगदलपुर, बुधवार 06 मई 2026

रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित

epaper www.aajkiandhara.com | email:aajkiandhara@gmail.com

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-5, वि.सं. 2083 | पृष्ठ : 12 | मो. : 9425203900, 9425243430

मूल्य: 2.00 रु.

चुनाव आयोग विलेन, भाजपा से मिलकर 100 सीटें लूटें, मैं आजाद पंखी, शेर की तरह लड़ूंगी

## इस्तीफा नहीं दूंगी, हम हारे नहीं, हराया गया : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को मुख्य विलेन बताया। उन्होंने कहा कि मैं क्यों इस्तीफा दूंगी जब मैं हारी नहीं हूँ। मुझे बाध्य नहीं किया जा सकता कि मैं इस्तीफा देने जाऊँ। नैतिक तौर पे मैं कह रही हूँ कि मैं जीती हूँ। मैं लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन ने मुझे फोन किया। गठबंधन के सभी साथियों ने मुझे कहा कि वे पूरी तरह से मेरे साथ हैं। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में हमारी एकजुटता और मजबूत रहेगी। अखिलेश ने मुझे अनुरोध किया कि क्या वह आज ही आ सकते हैं, लेकिन मैंने उनसे कहा कि कल आएँ तो, वह कल आएँगे। एक-एक करके सब आएँगे। मेरा लक्ष्य बहुत साफ है।

ममता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम चुनाव हारे नहीं हैं, हराया गया है। यह भाजपा और चुनाव आयोग के बीच साटासाट का रिजल्ट है। उन्होंने काउंटिंग सेंटर तक कब्जा कर लिया। मेरे पेट और पीठ पर लात मारी। धक्का देकर बाहर निकाला। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग ने स्टूडेंट्स के बहाने 100 सीटें लूटीं।

पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल में भाजपा ने पहली बार 294 में से 206 सीटों पर जीत दर्ज की है। राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार बनने वाली है। टीएमसी सिर्फ 80 सीटें जीत सकी। 15 साल बाद ममता के हाथ सत्ता चली गई है।

गंगासागर से कन्याकुमारी तक पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने भाजपा विरोधी राजनीति के बड़े 'पावर सेंटर्स' को बड़ा झटका दिया है। ममता बनर्जी और एमके स्टालिन भाजपा को चुनौती देने वाले प्रमुख चेहरे थे। बंगाल (42) और तमिलनाडु (39) लोकसभा की 81 सीटें तय करते हैं। इनके ढहने से इंडिया गठबंधन



पिछड़ गया। केरल में कांग्रेस की जीत उसे रहित देती है, लेकिन यह बहुत विपक्ष में नहीं खींचतान शुरू करेगी। अब विपक्ष की लड़ाई सत्ता की नहीं, प्रासंगिकता बचाने की हो गई है।

ममता ने कहा कि मेरा लक्ष्य बिल्कुल साफ

है। अब मैं एक आम व्यक्ति की तरह इंडिया गठबंधन को मजबूत करूंगी। अभी मेरे पास कोई पद नहीं है, इसलिए मैं एक सामान्य नागरिक हूँ। मैंने अपना पूरा जीवन लोगों की सेवा में दिया है। इन 15 सालों में मैंने एक पैसा भी पेंशन नहीं लिया और न ही कोई वेतन लिया। अब मैं एक आजाद चिट्ठिया हूँ, इसलिए जो काम करना है, वह मैं अपने तरीके से करूंगी। हमें सोमवार को काउंटिंग रूम में नहीं जाने दिया गया। उन्होंने हमारे लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को मारना शुरू कर दिया। 200 सीआरपीएफ और बाहर के गुंडों ने मारपीट की। जब मैं वहां पहुंची तो मेरी गाड़ी रोकी गई। डीईओ रणधीर ने पहले ही बता दिया था कि काउंटिंग में खेल होगा। उन्होंने हमारे एजेंट्स को काउंटिंग रूम के अंदर नहीं जाने दिया।

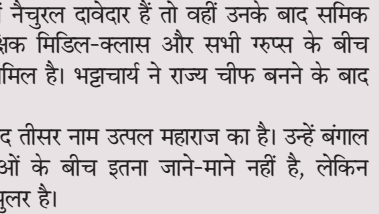
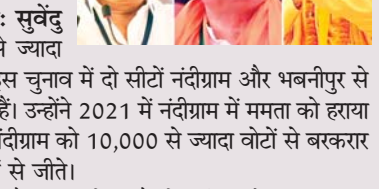
### बंगाल सीएम रिस सुवेन्दु-समिक सबसे आगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की ऐतिहासिक प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा की चर्चा शुरू हो गई है। राज्य में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दो बार हराएने वाले सुवेन्दु अधिकारी को दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है, दूसरे नंबर पर नाम प्रदेश प्रमुख समिक भट्टाचार्य का है, लेकिन सुवेन्दु और समिक के नामों के बीच एक तीसरा नाम भी खूब चर्चा में है। जिन्हें बंगाल के योगी के तौर पर जाना जाता है। ऐसे में चर्चा हो रही है कि बीजेपी आखिर किस चेहरे पर दांव खेलेगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने 207 सीटों पर जीत हासिल की है। टीएमसी को सिर्फ 80 सीटें मिली हैं। 1 सीट पर चुनाव 21 मई को होगा जिसका परिणाम 24 मई को आएगा।

सीएम पद की दौड़ में तीन प्रमुख नाम: सुवेन्दु अधिकारी: बंगाल के पावर कारिडोर में सबसे ज्यादा चर्चा अधिकारी के बारे में है। सुवेन्दु अधिकारी इस चुनाव में दो सीटों नंदीग्राम और भवनीपुर से चुनाव लड़ने वाले अकेले बीजेपी के उम्मीदवार हैं। उन्होंने 2021 में नंदीग्राम में ममता को हराया था और विपक्ष के नेता बने थे। इस बार उन्होंने नंदीग्राम को 10,000 से ज्यादा वोटों से बरकरार रखा और भवनीपुर से 15,000 से ज्यादा वोटों से जीते।

समिक भट्टाचार्य: सुवेन्दु अधिकारी जहां नैचुरल दावेदार हैं तो वहीं उनके बाद समिक भट्टाचार्य का नाम है। उनके पास बंगाली-शिथिक मिडिल-क्लास और सभी रूपस के बीच कोऑर्डिनेशन बनाए रखने की उनकी क्षमता शामिल है। भट्टाचार्य ने राज्य चीफ बनने के बाद से एक अहम भूमिका निभाई है।

उत्पल महाराज : सुवेन्दु और समिक के बाद तीसरा नाम उत्पल महाराज का है। उन्हें बंगाल का योगी कहा जाता है। वे बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच इतना जाने-माने नहीं हैं, लेकिन आरएसएस और भगवा इकोसिस्टम में बहुत पॉपुलर हैं।



## यूआई में 3 भारतीयों के घायल होने पर भारत नाराज

### मोदी बोले- इसे स्वीकार नहीं करेंगे, ऑयल पोर्ट पर ईरान ने कल हमला किया था

तेल अवीव/तेहरान। यूआई के फुजैराह में ऑयल पोर्ट पर ईरानी हमले को लेकर भारत ने विरोध जताया है। इस हमले में 3 तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा बंद करने और आम लोगों को निशाना नहीं बनाने की अपील की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत हथियार स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बिना रुकावट जारी रखनी चाहिए।

इससे पहले यूआई ने दावा किया था उसने ईरान की 12 बैलिटिक, 3 कस्त्र मिसाइल और 4 ड्रोन को कामयाबी से रोक दिया है। हालांकि ईरान ने इस पूरे मामले पर कोई बयान जारी नहीं किया है। पीएम मोदी ने भी इस घटना को लेकर पोस्ट किया और कहा कि आम लोगों और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना



स्वीकार नहीं किया जाएगा। होर्मुज में अमेरिकी युद्धपोत तैनात किया: अमेरिका ने होर्मुज में अपना बड़ा युद्धपोत यूएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश भेजा है। यह कदम डोनाल्ड ट्रंप की नई योजना प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत उठाया गया है। इस योजना का मकसद उन जहाजों को सुरक्षित निकालना है, जो होर्मुज में फंसे हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, इस युद्धपोत पर 60 से ज्यादा विमान मौजूद हैं, जो इस मिशन में मदद कर रहे हैं।

फुजैराह पाइपलाइन से यूआई का 50 फीसदी ऑयल एक्सपोर्ट होता है: दुर्घटना की पत्रकार नताशा तुराक के

### बदली गई एनसीईआरटी की किताब एक हफ्ते में मार्केट में होगी उपलब्ध

नई दिल्ली। एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की किताब, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने एक विवादित अध्याय के कारण बैन कर दिया था, अब संशोधित कर दी गई है। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, यह नई किताब एक हफ्ते के भीतर बाजार में उपलब्ध हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, संशोधित किताब को एनसीईआरटी की एक्सपर्ट कमिटी ने मंजूरी दे दी है। अब सिलेबस कमिटी की बैठक के बाद अंतिम मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद इसी हफ्ते प्रिंटिंग शुरू होने की उम्मीद है। यह मामला उस अध्याय से जुड़ा था, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का जिक्र किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस सामग्री को आपत्तिजनक बताते हुए किताब के प्रकाशन, रीप्रिंट और डिजिटल सर्कुलेशन पर पूर्ण तरह रोक लगा दी थी।

इसके बाद एनसीईआरटी ने बिना शर्त माफी मांगी थी और कहा था कि द रोल् ऑफ ज्यूडिशियरी इन आवर सोसाइटी अध्याय में अनुचित सामग्री थी। इसके चलते पूरी किताब को मार्च में वापस ले लिया गया था।

## तमिलनाडु में सरकार बनाने की कवायद तेज

### विजय की TVK ने राजभवन को पत्र लिखकर मांगा समर्थन

चेन्नई। तमिलनाडु में शानदार जीत के बाद एक्टर विजय की पार्टी टीवीके सरकार बनाने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, विजय की पार्टी 'तमिलनाडु ट्रेडी कड्डम' (TVK) ने सूबे के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलने का वक्त मांगा है। पार्टी सरकार बनाने के मुद्दे पर गवर्नर से बात करना चाहती है। पार्टी ने अपने नेतृत्व की चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतीं, लेकिन बहुमत के आंकड़े से 10 सीटें पीछे रह गईं।

सरकार बनाने के लिए चुनाव के बाद जोरदार बातचीत का दौर शुरू हो गया है। पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों से मुलाकात करने के लिए विजय टीवीके दफन पहुंचे।

सभी 234 विधानसभा सीटों पर वोटों की गिनती पूरी होने के बाद, TVK ने कुल 108 सीटें अपने नाम कीं। एमके. स्टालिन के नेतृत्व वाली



'द्रविड मुन्नेत्र कड्डम' (DMK) 59 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड मुन्नेत्र कड्डम' (AIADMK) 47 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रही। छोटी पार्टियों का प्रदर्शन औसत रहा। कांग्रेस ने पांच सीटें जीतीं, जबकि 'पडुल्लु मक्कल काची' के हिस्से चार सीटें गईं।

### राजभवन को भेजा गया पत्र

मुद्रै सेंट्रल से विधायक VMS मुल्लुफा ने कहा, 'टीवीके गरीबों की पार्टी है और सरकार बनाएगी। हम सभी पार्टियों से बात करेंगे। हमारे नेता विजय यह फ्रैसला लॉगे कि हमें

किसके साथ गठबंधन करना है। हमने राजभवन को एक पत्र भेजा है। भले ही टीवीके बहुमत से थोड़ी पीछे रह गईं हो, लेकिन उसका जबरदस्त प्रदर्शन तमिलनाडु की सियासत में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, जिसने विजय को सरकार बनाने की कोशिशों के केंद्र में ला दिया है। सूत्रों के मुताबिक, टीवीके ने अपना 'प्लान बी' शुरू कर दिया है, जिसके तहत वह बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने के लिए संभावित सहयोगियों से बातचीत के रास्ते खोल रहा है।

खबरों के मुताबिक, कांग्रेस और पीएमके, टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने के लिए तैयार हैं। बातचीत के हिस्से के तौर पर, दोनों ही पार्टियां अपने लिए दो-दो मंत्री पद चाहती हैं। इस बीच, वामपंथी दल आपस में विचार-विमर्श कर रहे

## यूपी-बिहार में आंधी-बिजली से 24 घंटे में 31 मौतें

नई दिल्ली। राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में चक्रवात बनने से देश के बड़े हिस्से में मौसम बदल गया है। दक्षिण-पूर्व उतर प्रदेश से लेकर तमिलनाडु तक ट्रफ बनी हुई है, जिससे उतर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का असर है।

दिल्ली में मंगलवार दोपहर को अंधी आंधी, बिजली समेत प्रचंड के राज्यों में आंधी और तेज बारिश हुई। यूपी में आंधी-बारिश से 8 लोगों की मौत हो गई। पीलीभीत में ईंट-भट्टे की 100 फीट ऊंची चिमनी ढह गई। बिहार में 22 जिलों में आंधी-बारिश हुई। बिजली गिरने से 7 बच्चों समेत 23 लोगों की मौत हो गई। 2 महिलाएं झुलस गईं। आज 18 जिलों तेज बारिश का असर है। राजस्थान में सोमवार को तापमान में 8डिग्री की गिरावट आई।

## राघव चड्ढा बोले- हमारे पास 21 राज्यों की पुलिस

### सीएम मान बोले- पंजाब में भाजपा एमएलए 2, राज्यसभा एमपी 6, यह कैसे केजरीवाल बोले- फरवरी में मोदी सरकार गिरेगी

यह लोकतंत्र का मजाक है। मैंने बताया कि पंजाब में भाजपा के एमएलए 2 हैं और राज्यसभा के 6 सांसद हो गए, यह संविधान का मजाक है। मैंने संविधान में संशोधन कर राइट टू रिक्वायर्स की मांग की। मान सुबह ही 90 एमएलए को 3 वॉल्वो बसों में लेकर दिल्ली पहुंचे थे। मान से पहले आप छोड़ने वाले सांसद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाटक राष्ट्रपति से मिलें। उन्होंने पार्टी छोड़ने के बाद पंजाब की सरकारी मशीनरी का मिस्यूज कर उन्हें टारगेट करने का आरोप लगाया। चड्ढा ने कहा कि आप बदले की आग में जल रही है। दूसरों पर सुबह से शाम तक बदलाखोरी का आरोप लगाने वाले खुद बदले की राजनीति कर रहे हैं।



का आरोप लगाने वाले खुद बदले की राजनीति कर रहे हैं।

## पद्मश्री फूलबासन बाई की किडनैपिंग

### फोटो खींचवाने के बहाने बुलाया, हाथ-मुंह बांधकर कार में डाला

### चेकिंग के दौरान पकड़ा आरोपी

राजनानदांग। राजनानदांग जिले में पद्मश्री फूलबासन बाई यादव की किडनैपिंग हुई है। मंगलवार सुबह महिला समेत 3 लोगों ने फोटो खींचवाने के बहाने उन्हें बुलाया, फिर उनके हाथ-पैर बांध दिए। मुंह पर गमछा बांधकर कार में बैठा लिया, लेकिन भागते समय पुलिस की स्ट्रीट चेकिंग में पकड़े गए। पुलिस को देखकर आरोपियों ने बताया कि, मरीज को मिर्गों का दौरा पड़ा है, उन्हें अस्पताल ले जा रहे हैं। लेकिन एक पुलिसकर्मी ने फूलबासन बाई को पहचान लिया और शक होने पर मुख्य आरोपी महिला खुशबू साहू समेत 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सुकुलदेहन चौकी इलाके की है।



जानकारी के मुताबिक, बेमेतरा निवासी खुशबू साहू अपने तीन साथियों (एक महिला और दो पुरुष) के साथ मंगलवार सुबह करीब 10 बजे फूलबासन बाई (56) के घर पहुंची। उन्होंने जरूरी चर्चा का बहाना बनाकर फूलबासन बाई को घर से बाहर बुलाया। उनके साथ फोटो खींचवाने और बर्थडे मनाने की बात कहकर अपनी कार में बैठा लिया। कार के आगे बढ़ते ही आरोपियों ने फूलबासन बाई के हाथ-पैर बांध दिए और उनके मुंह पर गमछा लपेट दिया, जिससे वे शोर न मचा सकें।

## इस जोड़ी से सीखने की जरूरत

### शशि थरूर ने मोदी-शाह की तरीफ में जमकर गढ़े कसीदे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पीएम मोदी और अमित शाह की जमकर तरीफ की है। थरूर ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी काफी संगठित। चुनावी अभियान के दौरान वह लगातार बेहतर कोशिश करते रहते हैं। साथ ही पैसों के इंतजाम का भी ख्याल रखते हैं। इतना ही नहीं, कांग्रेस सांसद यहां तक कह गए कि देश के राजनीतिक दल, भाजपा से कई सबक सीख सकते हैं। गौरतलब है कि भाजपा ने बंगाल में इतिहास रचते हुए 200 से ज्यादा सीटें जीती हैं। वहीं, असम में पार्टी ने हैट्टिक बनाई है।

कहा-इस जोड़ी की विशेषज्ञता: शशि थरूर ने मोदी-शाह की जोड़ी को प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी और शाह प्रोफेशनल ढंग से संगठित हैं और चुनाव करवाने में माहिर हैं। इन दोनों ने बंगाल और असम में काफी अच्छा काम किया है। थरूर ने कहा कि ऐसा इन दोनों की विशेषज्ञता के चलते ही संभव हो पाया। उन्होंने कहा कि दोनों की सांगठनिक क्षमता काफी अच्छी है। कांग्रेस सांसद यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि मोदी और शाह के पास काफी रिसोर्स हैं। चुनाव अभियान के दौरान यह आर्थिक स्रोतों का भी अच्छे से इस्तेमाल करते हैं। थरूर के मुताबिक अन्य सभी दल मोदी और शाह के चुनावी अभियान से काफी कुछ सीख सकते हैं।

केरल पर भी रखी अपनी बात: शशि थरूर ने केरल में कांग्रेस के प्रदर्शन पर

## दो मामूले बेटियों को जलाने की कोशिश की

मुंबई। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी दो नाबालिग बेटियों पर डीजल डालकर उन्हें आग लगाने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद एक रिश्तेदार ने समय रहते उसे रोक लिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना 2 मई को माजलगांव तहसील के लहामेवाड़ी गांव में हुई। आरोपी महेश विष्णु सोमासे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की पत्नी अधिनी घरेलू विवाद के बाद अपने मायके में रह रही थी। आरोपी अपनी चार और पांच साल की बेटियों के साथ वहां पहुंचा और पत्नी से तुरंत घर लौटने को कहा। जब पत्नी ने मना किया तो आरोपी ने बाइक के बैग में रखा डीजल का डिब्बा निकाला और बेटियों पर डाल दिया। फिर जब से मांचिस निकालकर उन्हें आग लगाने की कोशिश की। मौके पर मौजूद एक रिश्तेदार ने तुरंत मांचिस छीन ली, जिससे बच्चों की जान बच गई।

## शराब घोटाला: आप नेताओं का बहिष्कार

### अब हाईकोर्ट में एमिकस क्यूरी के जरिए होगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की चर्चित शराब नीति मामले में सुनवाई के दौरान बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिंसोदिया और उनके सहयोगी दुर्गेश पाटक द्वारा अदालत की कार्यवाही का बहिष्कार किए जाने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि तीन वरिष्ठ वकीलों को एमिकस क्यूरी के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने मंगलवार को कहा कि वो यह सुनिश्चित करेंगे कि आरोपियों का पक्ष अदालत में रखा जाए, भले ही वे खुद पेश न हों। कोर्ट ने कहा कि वह शुक्रवार को एमिकस क्यूरी की नियुक्ति पर औपचारिक आदेश पारित करेंगे, जिसके बाद मामले की सुनवाई होगी। एमिकस क्यूरी का मतलब अदालत का मित्र होता है। एमिकस क्यूरी एक वरिष्ठ और अनुभवी वकील होता है, जो किसी भी पक्ष का प्रतिनिधि नहीं होता, लेकिन अदालत की मदद के लिए नियुक्त किया जाता है। इसका काम कानूनी मुद्दों को स्पष्ट करना और निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करना



का शेराम शर्मा को कहा कि वो यह

# कोपरा जलाशय: स्थानीय समुदाय और महिला समूहों के सहयोग से बनेगा आदर्श इको-टूरिज्म स्पॉट



रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिला स्थित कोपरा जलाशय रामसर स्थल के संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। यह राज्य की पहली रामसर साइट है, जिसे स्थानीय समुदायों, वन विभाग और विशेषज्ञों के समन्वय से विकसित किया जा रहा है, ताकि जैव विविधता व आजीविका सुनिश्चित रहे।

छत्तीसगढ़ के कोपरा जलाशय को रामसर स्थल का दर्जा मिलने के बाद, इसके अंतर्राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए अब इसके संरक्षण और सतत विकास के लिए जनभागीदारी का मॉडल तैयार किया गया है। राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के अधिकारियों, स्थानीय ग्राम प्रतिनिधियों और महिला स्व-सहायता समूहों के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक में जलाशय की सुरक्षा और विकास की एक व्यापक कार्ययोजना पर सहमति बनी है।

## प्रमुख कार्ययोजना और निर्णय

स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्ति विकास के प्रथम चरण में कोपरा

जलाशय को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाया जाएगा। इसके लिए गांवों में टोस कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी और नियमित स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे।

निगरानी तंत्र का सुदृढ़ीकरण आर्द्रभूमि (Wetland) की परिस्थितिकी और जल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अवैध गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी। प्राकृतिक वनस्पतियों और दुर्लभ जीव-जंतुओं के संरक्षण के लिए एक मजबूत निगरानी तंत्र स्थापित किया जाएगा।

## स्थानीय रोजगार के नए द्वार और पर्यटन

अधिकारियों के अनुसार, कोपरा जलाशय में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। कोपरा जलाशय के विकास से स्थानीय स्तर पर बर्द वाचिंग और इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिल रहा है, जो ग्रामीण आजीविका के नए साधन बना रहे हैं।

## युवाओं और महिलाओं की भागीदारी

इस अभियान को गति देने के लिए स्थानीय युवाओं को 'वेटलैंड मित्र' के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। महिला स्व-सहायता समूहों ने न केवल स्वच्छता की जिम्मेदारी ली है, बल्कि उन्होंने गांव स्तर पर पर्यावरण जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का भी प्रस्ताव दिया है। स्कूलों में भी पर्यावरण शिक्षा के माध्यम से बच्चों को इस धरोहर के प्रति जागरूक किया जाएगा।

## समन्वित प्रयास

राज्य वेटलैंड प्राधिकरण द्वारा इस परियोजना के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी संबंधित विभागों और स्थानीय प्रशासन के समन्वय से एक एकीकृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जो पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

## सुशासन तिहार : सरोधी की चौपाल में दिखी बदलाव की कहानी

● महतारी वंदन योजना से सशक्त हुई केकती बाई की जिंदगी

रायपुर। सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का ग्राम सरोधी में आयोजित चौपाल कार्यक्रम केवल प्रशासनिक संवाद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह आम जनजीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जीवंत तस्वीर भी बन गया। इसी चौपाल में सामने आई एक ऐसी कहानी, जिसने सरकारी योजनाओं के वास्तविक प्रभाव को भावनात्मक रूप से उजागर किया।

ग्राम सरोधी की निवासी श्रीमती केकती मरावी, अपने पति राजेंद्र मेरावी और तीन बच्चों—चंरंजीव, किरण और विक्रान्त के साथ एक साधारण किसान परिवार से जुड़ी हैं। खेती-किसानी ही उनके जीवन का मुख्य आधार है, लेकिन सीमित आय के बीच परिवार का खर्च चलाना हमेशा एक चुनौती रहा है।

केकती बाई बताती हैं कि महतारी वंदन योजना ने उनके जीवन में नई रोशनी लाई है। अब तक उन्हें योजना की 26 किशतें मिल चुकी हैं, जिससे वे घर के छोटे-छोटे खर्चों में हाथ बंटा पा रही हैं। पहले जहां हर छोटी जरूरत के लिए सोच-विचार करना पड़ता था, वहीं अब उनके पास आत्मनिर्भरता का एक आधार बन गया है।

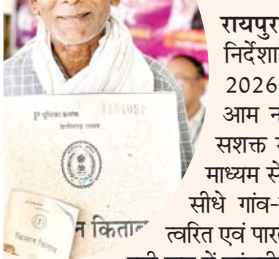
उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से वे 'स्वच्छता दीदी' के रूप में भी

कार्य कर रही हैं, जिससे उन्हें प्रतिमाह 1000 रुपए की अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। इसके साथ ही उज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस सिलेंडर मिलने से उनके परिवार के स्वास्थ्य में भी सुधार आया है और रसोई का काम आसान हुआ है। केकती बाई केवल अपने परिवार तक ही सीमित नहीं रहीं, बल्कि वे अन्य मां बंजारी महिला स्व-सहायता समूहों की अध्यक्ष भी हैं। समूह के

माध्यम से उन्हें 15 हजार रुपए का अनुदान मिला है, जिससे वे अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। भावुक होते हुए केकती बाई ने कहा कि आज उनका परिवार पहले से कहीं अधिक सशक्त और आत्मनिर्भरता महसूस करता है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं ने उनके जीवन को नई दिशा दी है।

ग्राम सरोधी की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब योजनाएं सही हितग्राहियों तक पहुंचती हैं।

## सुशासन तिहार 2026 : संवेदनशील पहल से समस्याओं का त्वरित समाधान



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार आयोजित 'सुशासन तिहार 2026' के तहत जनसमस्या निवारण शिविर आम नागरिकों के लिए भरोसे और राहत का सशक्त माध्यम बनते जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं और सेवाओं को सीधे गांव-गांव तक पहुंचाते हुए समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में जांजीगर-चांपा जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत सरखों में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों से जुड़े आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर रहे हैं। शिविर में ग्राम बनारी निवासी मोहनलाल अपनी समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने किसान किताब से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया, जो उनके कृषि कार्यों के लिए आवश्यक था। आवेदन प्राप्त होते ही राजस्व विभाग के अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और मौके पर ही उन्हें नई किसान किताब प्रदान कर दी।

## सुशासन तिहार 2026 : संवेदनशील पहल से समस्याओं का त्वरित समाधान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार आयोजित 'सुशासन तिहार 2026' के तहत जनसमस्या निवारण शिविर आम नागरिकों के लिए भरोसे और राहत का सशक्त माध्यम बनते जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं और सेवाओं को सीधे गांव-गांव तक पहुंचाते हुए समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में जांजीगर-चांपा जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत सरखों में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों से जुड़े आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर रहे हैं। शिविर में ग्राम बनारी निवासी मोहनलाल अपनी समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने किसान किताब से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया, जो उनके कृषि कार्यों के लिए आवश्यक था। आवेदन प्राप्त होते ही राजस्व विभाग के अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और मौके पर ही उन्हें नई किसान किताब प्रदान कर दी।

## श्रमिक की बेटी ममता को मिली उड़ान

● मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना से नर्सिंग के सपनों को मिला संवल

रायपुर। कहते हैं कि यदि हैसले बुलंद हों और शासन का साथ मिले, तो अभाव भी सफलता की राह नहीं

और इसका श्रेय वे छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को देती हैं। संधर्षों के बीच जागी उम्मीद की किरण: ममता के जीवन का

सफर आसान नहीं था। पिता स्व. मोटू राम के निधन के बाद घर की पूरी जिम्मेदारी उनकी माता प्यारो बाई के कंधों पर आ गई। माँ ने हार नहीं मानी और एक पंजीकृत श्रमिक के रूप में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण किया। संसाधनों की कमी के बावजूद प्यारो बाई का सपना अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलाना था, जिसे छत्तीसगढ़ सरकार के श्रम विभाग ने साकार किया है।

मेधावी शिक्षा सहायता ने आसान हुई राह: ममता ने बताया कि उन्हें श्रम विभाग के माध्यम से नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत 45,000 रुपए की वार्षिक सहायता प्राप्त हुई है। इस राशि ने उनके शिक्षण शुल्क और पढ़ाई से संबंधित अन्य खर्चों के बोझ को कम कर दिया है।

उन्होंने बताया कि पढ़ाई के दौरान अपने पढ़ाई को लेकर निश्चित हैं और इसका श्रेय वे छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को देती हैं। संधर्षों के बीच जागी उम्मीद की किरण: ममता के जीवन का

## अबुझमाड़ में औषधीय खेती की नई सुबह अब धान नहीं, बच और ब्राह्मी से बढ़ेगी किसानों की आय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्र अबुझमाड़ में आर्थिक समृद्धि की एक नई बहार चल रही है। राज्य शासन के 'नई सुबह की ओर' अभियान के तहत अब यहां के आदिवासी किसान पारंपरिक फसलों के बजाय औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में औषधि पादप बोर्ड द्वारा नारायणपुर जिले के 50 से अधिक किसानों के लिए धमतरी जिले में एक विशेष अध्ययन प्रवास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रमुख प्रशिक्षण धमतरी के कंडेल गांव में किसानों को ब्राह्मी की खेती का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें खेत की तैयारी, रोपण, सिंचाई, खाद प्रबंधन और बाजार में बिक्री की पूरी प्रक्रिया समझाई गई। जिला कंसल्टेंट ने किसानों को विस्तार से मार्गदर्शन दिया। इस प्रशिक्षण में कोकमेट, कुरुषनार, कन्हारी किल्काड, कोडोली और बारिंगबाहर गांव के किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की जानकारी दी गई।



किसानों ने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा की जा रही खस, ब्राह्मी और बच की खेती का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। अनूभव साझा कर बढ़ाया उत्साह प्रशिक्षण के दौरान किसानों ने महिला स्व-सहायता समूहों की सफलता को करीब से देखा। समूह की सदस्य श्रीमती दुलारी डीमर ने बताया कि धान की तुलना में औषधीय खेती दोगुना लाभ दे रही है। इन फसलों की विशेषता यह है कि इनमें लागत कम आती है और एक बार रोपण के बाद 3 से 4 वर्षों तक लगातार उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। सरकारी सहायता और भविष्य की राह औषधि पादप बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने बताया कि बोर्ड द्वारा किसानों को न केवल निःशुल्क प्रशिक्षण और पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि निवेशकों के साथ अनुबंध करकर अग्रिम राशि की सुविधा भी दी जा रही है। अभियान का लक्ष्य : औषधीय खेती इस पहल का मुख्य उद्देश्य बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में नए रोजगार पैदा करना और किसानों की आय में 2 से 3 गुना वृद्धि कर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। अध्ययन प्रवास के बाद अबुझमाड़ के किसान अब औषधीय खेती को अपनाने के लिए पूरी तरह उत्साहित और तैयार हैं।

लागत कम आती है और एक बार रोपण के बाद 3 से 4 वर्षों तक लगातार उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। सरकारी सहायता और भविष्य की राह

औषधि पादप बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने बताया कि बोर्ड द्वारा किसानों को न केवल निःशुल्क प्रशिक्षण और पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि निवेशकों के साथ अनुबंध करकर अग्रिम राशि की सुविधा भी दी जा रही है। अभियान का लक्ष्य : औषधीय खेती इस पहल का मुख्य उद्देश्य बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में नए रोजगार पैदा करना और किसानों की आय में 2 से 3 गुना वृद्धि कर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। अध्ययन प्रवास के बाद अबुझमाड़ के किसान अब औषधीय खेती को अपनाने के लिए पूरी तरह उत्साहित और तैयार हैं।

अभियान का लक्ष्य : औषधीय खेती इस पहल का मुख्य उद्देश्य बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में नए रोजगार पैदा करना और किसानों की आय में 2 से 3 गुना वृद्धि कर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। अध्ययन प्रवास के बाद अबुझमाड़ के किसान अब औषधीय खेती को अपनाने के लिए पूरी तरह उत्साहित और तैयार हैं।

## बिलासपुर की लाइफलाइन अरपा के तट पर उगेगा मियावाकी जंगल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप के दिशा-निर्देशों के अनुरूप बिलासपुर शहर में पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र को विस्तार देने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम (कोटा परियोजना मण्डल) द्वारा साउथ ईस्ट कोल फिल्ड लिमिटेड बिलासपुर के सहयोग से अरपा नदी के तट पर मियावाकी पद्धति से सघन वृक्षारोपण किया जा रहा है।



परियोजना की मुख्य विशेषताएं कमिश्नर कार्यालय (कोनी) के पीछे, अरपा नदी तट लगभग 1.5 हेक्टेयर क्षेत्र में 15,000 पौधों का रोपण किया जाएगा। जमीन में एक मीटर गहरी खाई (ट्रेंच) खोदकर उजाड़ मिट्टी के साथ पौधों का सघन रोपण। क्या है मियावाकी पद्धति? यह एक आधुनिक जापानी तकनीक है जो शहरी क्षेत्रों के लिए वरदान मानी जाती है। इसकी विशेषताएं हैं कि तीव्र विकास वाले पौधे सामान्य वृक्षारोपण की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ते हैं। यह सामान्य वनों की तुलना में 30 गुना अधिक सघन होते हैं। कम स्थान में अधिक प्रजातियों के पौधे होने से जैव विविधता में कई गुना वृद्धि होती है। सफलता का पिछला रिकॉर्ड: उल्लेखनीय है कि वन विकास निगम इससे पहले भी बिलासपुर में एन टी पी सी रोपण के सहयोग से 94 हजार पौधों का मियावाकी वन सफलतापूर्वक विकसित कर चुका है। अरपा तट पर रहे ही यह नई पहल न केवल शहर के तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होगी, बल्कि निवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी प्रदान करेगी।

## गौरेला क्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

### संयुक्त दल द्वारा निरंतर निगरानी जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गौरेला वन परिक्षेत्र में सागौन के अवैध दोहन को रोकने के लिए वन विभाग ने अपना शिकजा कस दिया है। विभाग के संयुक्त दल द्वारा की जा रही लगातार निगरानी के फलस्वरूप हाल ही में अवैध रूप से काटी गई सागौन की लगभग 500 बलियां (5 घन मीटर से अधिक) बरामद की गई हैं। जब्त लकड़ियों को सुरक्षित रूप से मड़ना सरकारी काष्ठगार (डिपो) में स्थानांतरित कर दिया गया है। गौरेला क्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई: पण्डरीपानी परिसर (सामाजिक वानिकी परियोजना 2009-10), जो लगभग 103

हेक्टेयर में फैला है। चार ग्राम पंचायतों (कोरजा, गांगपुर, डाहीबहरा और पण्डरीपानी) से फिर होने के कारण इस क्षेत्र पर अत्यधिक जैविक दबाव है। प्राथमिक जांच के अनुसार, स्थानीय ग्रामीणों द्वारा गृह निर्माण, कृषि कार्यों और अन्य व्यक्तिगत उपयोग के लिए अवैध कटाई की जा रही थी। वनमण्डलाधिकारी मरवाही और उप वनमण्डलाधिकारी गौरेला के नेतृत्व में उड़नदस्ता दल और विभागीय कर्मचारी क्षेत्र का सघन सर्वेक्षण कर रहे हैं। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सर्वेक्षण पूर्ण होते ही दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, वन भूमि पर किए गए पुराने अतिक्रमणों को हटाने का अभियान भी तेज कर दिया गया है।

## जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन शासन की योजनाओं से श्रमिकों को सशक्त बनाने का संकल्प



रायपुर। सरगुजा जिले के श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और उनके पंजीयन की प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से आज अंबिकापुर के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमिकों के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने के लिए श्रमिकों को प्रेरित किया। पंजीयन ही योजनाओं का द्वार : श्रम पदाधिकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रम पदाधिकारी नोदेश विश्वकर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ कर्मगार राज्य समाजिक सुरक्षा मंडल एवं छत्तीसगढ़ धन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल श्रमिकों को जोर देते हुए कहा कि इन हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ उठाने के लिए श्रमिक पंजीयन कराएं और योजनाओं का लाभ लें। सम्मेलन में पापंद आलोक दुबे एवं दीपक यादव एवं जनप्रतिनिधियों सहित जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए बड़ी संख्या में श्रमिक, श्रम विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

### बिना श्रमिक के कोई कार्य सफल नहीं- सांसद चिंतामणि महाराज

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोकसभा सांसद चिंतामणि महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आज समाज का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जो श्रमिकों के बिना सफल हो सके। श्रमिकों के परिश्रम से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अंतिम पंकिक के श्रमिक का भी पंजीयन सुनिश्चित हो सके।

### श्रम का सम्मान और आत्मनिर्भरता

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि तुण्डू विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में श्रमिक है और परिश्रम ही परिवार के भरण-पोषण का आधार है। उन्होंने श्रमिक पंजीयन कर योजनाओं का लाभ लेने उपास्थित श्रमिक जनों को प्रोत्साहित किया। वहीं, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने विकासखंड से आए श्रमिकों से कहा कि शासन आपके हितों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है जिससे हर वर्ग के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिले। आप सभी श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी लेकर योजना का लाभ लें। नगर निगम अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि शासन द्वारा नारी शक्ति के सम्मान के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। महिलाएं आत्मनिर्भर बने शासन की भंशा हैं। उन्होंने श्रम विभाग

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा चेक वितरण कर सम्मानित किया गया। जब उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने स्वयं अपने हाथों से श्रमिकों को भोजन परोसा। इस दौरान श्रमिकों ने अनुशासन का परिचय देते हुए कतारबद्ध होकर अपनी-अपनी बारी में शांतिपूर्वक भोजन लिया।



## वित्तमंत्री शामिल हुए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' कार्यक्रम में

## बस्तर के युवाओं के लिए नवाचार की अपार संभावना, नवाचार से करें क्षेत्र का विकास : वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

जगदलपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में बस्तर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।



वित्त मंत्री ने कहा कि देश की चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में बढ़ते भारत में बस्तर के युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बस्तर के युवाओं को वन उत्पाद, पर्यटन, कला-संस्कृति और कृषि से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में नवाचार के साथ कार्य कर क्षेत्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के युवा आर्थिक रूप से सशक्त बनकर समाज

परिस्थितियों से निकलकर नवाचार के माध्यम से आर्थिक प्रगति हासिल की। चौधरी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं नौकरी छोड़कर कृषि व्यवसाय अपनाया और आत्मनिर्भरता हासिल की। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि 'माँ सरस्वती के उपासक बनने तो माँ लक्ष्मी स्वयं साथ आएंगी', आज का युग ज्ञान आधारित है, इसलिए युवाओं को अपनी क्षमता और कोशल का निरंतर विकास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि अनुशासन भी सिखाते हैं। अनुशासन के साथ ईमानदारी से प्रयास कर ही बेहतर भविष्य का निर्माण संभव है। साथ ही उन्होंने युवाओं को उद्यमिता (इंट्रेप्रेन्योरशिप) में जोखिम लेने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया।

भागीदारी का स्वागत करते हुए बस्तर के विकास में सहभागी बनने की बात कही। अपने संबोधन में उन्होंने कई प्रेरणादायक उदाहरण साझा किए, जिनमें लोगों ने विपरीत

निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर आज नई आशाओं से भरी है। अपने नई दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है। और नई दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है। अपने नई दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है। अपने नई दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है।



## वन मंत्री ने 38 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना लिये किया भूमिपूजन

### क्षेत्र में विकास को मिलेगी नई गति

**जनधारा समाचार कोण्डगांव।** प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पीएमजीएसवाई फेज-4, बैच-01 के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों में 38 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सड़कों का भूमिपूजन वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा किया गया। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और विकास को नई गति मिलेगी।

योजना के अंतर्गत ग्राम खड़पड़ी में एल-224 कोण्डगांव-कोरमेल रोड के आरडी 43 किमी से पटेलपारा खड़पड़ी मार्ग लंबाई 3.80 किमी, लागत 339.62 लाख रुपये का भूमिपूजन किया गया। इसी प्रकार ग्राम मटवाल में वेतबेड़ा रोड से डोलमांदरी तक 5.50 किमी लंबी सड़क लागत 503.36 लाख रुपये, कुधुर से पटेलपारा मुण्डीपट्टर तक 3 किमी सड़क लागत 287.80 लाख रुपये तथा खरापारा



खच्चाव गोदाम से मांडीपारा तक 3.62 किमी सड़क लागत 335.04 लाख रुपये का भूमिपूजन किया गया। इसके अलावा ग्राम खोडसानार में फल्ली-बासरसुर रोड से कोलम मार्ग लंबाई 3.90 किमी, लागत 388.08 लाख रुपये

तथा खोडसानार से पदेली मार्ग लंबाई 3.08 किमी, लागत 225.42 लाख रुपये का भूमिपूजन हुआ। ग्राम लखापुरी से एहरा तक 7 किमी सड़क लागत 685.89 लाख रुपये, ग्राम नहकानार में बयानार रोड से नहकानार तक 3.30 किमी सड़क



लागत 310.95 लाख रुपये तथा ग्राम छोटेशरी से टिमनार तक 2.50 किमी सड़क लागत 235.35 लाख रुपये का भी भूमिपूजन किया गया। इसी क्रम में रंगागोदी के आश्रित ग्राम बड़को में बयानार रोड से बड़को मार्ग

लंबाई 2.70 किमी, लागत 223.52 लाख रुपये तथा ग्राम टेमरगांव मंदिर पारा में पुजारी पारा से कटुल पारा तक 2.96 किमी सड़क लागत 302.22 लाख रुपये के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य शासन ने कल नीतियों के चलते बस्तर अब माओवाद से मुक्त हुआ है और अब तेजी से विकास कार्य शुरू हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को 'महतीर वंदन योजना' के तहत प्रति माह 1000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अब अंतिम छोर तक पहुंचाया जा रहा है। जरूरतमंदों को

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास दिया जा रहा है। ग्राम छोटेशरी में उन्होंने कहा कि एक समय यह क्षेत्र माओवाद से प्रभावित था, लेकिन अब विकास कार्यों के माध्यम से यहाँ नई संभावनाएँ विकसित हो रही हैं। वहीं ग्राम मटवाल में मंत्री ने 'लखपति दीदी' श्रीमती वेदवी से चर्चा की, जो किराना दुकान संचालित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को मुर्गी पालन, बकरी पालन एवं गौपालन जैसे आजीविका के साधनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के दूरस्थ गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने में मदद मिलेगी, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के अवसरों तक पहुंच आसान होगी और समग्र ग्रामीण विकास को बल मिलेगा। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोराम, जिला सदस्य श्रीमती यशोदा कश्यप, जनप्रतिनिधि श्रीमती सुशीला दीवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

## ग्राम तर्में में अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते लोगों का भरोसा तेजी से बढ़ा

**बीजापुर।** विकासखंड उसूर का अतिसंवेदनशील ग्राम तर्में, जो कभी माओवादी प्रभाव के कारण पिछड़े क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, आज स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई पहचान बना चुका है। जिला मुख्यालय से लगभग 80 किमी दूर स्थित ग्राम तर्में में अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते लोगों का भरोसा तेजी से बढ़ा है।

राज्य सरकार की पहल से क्षेत्र में पहुंच आसान हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार संभव हुआ। आयुष्मान आरोग्य मंदिर तर्में में प्रतिदिन 25 से 30 मरीजों की ओपीडी, सुरक्षित प्रसव सेवाएं तथा लैब जांच की सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल प्रबंधन, स्वच्छता, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और 102 व 108 एम्बुलेंस सेवाओं के प्रभावी संचालन के साथ आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। कलेक्टर सविता मिश्रा के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी के



नेतृत्व में आकांक्षी विकासखंड उसूर के आयुष्मान आरोग्य मंदिर तर्में को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक एनक्यूएस प्रमाण प्राप्त हुआ है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 16 फरवरी 2026 से वर्चुअल मूल्यांकन किया गया जिसमें 12 सेवाओं के आधार पर कुल 88.19: अंक प्राप्त हुए। मूल्यांकन के दौरान स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ सीएचओ, आरएचओ महिला एवं पुरुष से राष्ट्रीय कार्यक्रमों और ग्रामीणों को दी जा रही सेवाओं पर विस्तार से जानकारी ली गई, जिसमें सभी कर्मी सफल रहे।

इस उपलब्धि में जिला कार्यक्रम प्रबंधक वरुण साहू, नर्सिंग ऑफिसर मानसी ताटपल्ली, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. उमेश ठाकुर, सेक्टर प्रभारी डॉ. शिवा गौरी, लोक कार्यक्रम प्रबंधक श्रवण नेताम, डाटा प्रबंधक निरंजन भोई सहित समस्त स्वास्थ्य स्टाफ, सीएचओ, आरएचओ, एएनएम एवं मितानिनों का विशेष योगदान रहा।



## वित्तमंत्री ओपी चौधरी का किया गया आत्मीय स्वागत

**जगदलपुर।** माँ दत्तेश्री एयरपोर्ट में वित्त मंत्री ओम प्रकाश चौधरी का एक दिवसीय जगदलपुर आगमन पर महापौर संजय पांडेय, सीजी ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मदी, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान कलेक्टर आकाश छिकार, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वित्तमंत्री चौधरी शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेशन महानुभाव 1.0 कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं।

वित्तमंत्री चौधरी शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेशन महानुभाव 1.0 कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं।

## चिखली फंड में तेंदूपत्ता खरीदी शुरू, संग्रहकों को मिलेगा बोनस व बीमा का लाभ

**कांकेर।** दुर्गकोदल क्षेत्र अंतर्गत चिखली फंड में वन विभाग द्वारा तेंदूपत्ता खरीदी कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने संग्रहकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं तेंदूपत्ता संग्राहक उपस्थित रहे।



कार्यक्रम वनमंडलाधिकारी के निदेशन एवं वनपरिक्षेत्र अधिकारी सतीश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहकों को शासन द्वारा बोनस, बीमा सुरक्षा, बेहतर मजदूरी दर सहित कई सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि और जीवन स्तर में सुधार संभव हो पाता है। इस दौरान संग्रहकों को गुणवत्तापूर्ण तेंदूपत्ता तोड़ने, सही तरीके से संग्रह करने तथा निर्धारित मानकों का पालन करने के लिए भी जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि मानकों का पालन करने से संग्रहकों को बेहतर मूल्य मिलेगा और वन संपदा का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा।

कार्यक्रम में डिप्टी रेंजर सतीश ठाकुर, वन रक्षक रमेश कुमार नेताम, वनपाल शिबू राम देहारी, फंड अध्यक्ष शिवराम हुपेडी, मुंशी राजेश मंडवी एवं राजेश गोटा सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने संग्रहकों से योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। वन विभाग ने जानकारी दी कि चिखली फंड में खरीदी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं और संग्रहकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। तेंदूपत्ता खरीदी शुरू होने से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है, क्योंकि यह ग्रामीणों के लिए आय का प्रमुख साधन है।

## राज्यपाल ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के किया पौधा रोपण



**जनधारा समाचार कोण्डगांव।** राज्यपाल रमन डेका ने अपने कोण्डगांव जिला के प्रवास के दौरान मंगलवार को जिला कार्यालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आम के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर कलेक्टर नूपुर राशि पत्रा और पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकान्त चाली ठाकुर, एसडीएम अजय उराव उपस्थित थे।

कोण्डगांव। राज्यपाल रमन डेका ने अपने कोण्डगांव जिला के प्रवास के दौरान मंगलवार को जिला कार्यालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आम के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर कलेक्टर नूपुर राशि पत्रा और पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकान्त चाली ठाकुर, एसडीएम अजय उराव उपस्थित थे।

## पश्चिम बंगाल की जीत पर कांकेर में जश्न, भाजपा कार्यकर्ताओं ने बांटी झालमुड़ी

**कांकेर।** पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में कांकेर विधानसभा क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विधायक आसाराम नेताम के नेतृत्व में पुराना बस स्टैंड कांकेर में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर खुशी मनाई और झालमुड़ी वितरित कर जश्न साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने एक-दूसरे को बधाई दी और इस जीत को जनसमर्थन की बड़ी उपलब्धि बताया। उपस्थित नेताओं ने कहा कि यह जीत केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि विकास, सुशासन और जनता के अटूट विश्वास की जीत है। उन्होंने इस भाजपा की नीतियों, कार्यशैली और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने के संकल्प की सफलता बताया। विधायक आसाराम नेताम ने इस अवसर पर कहा कि देशभर में जनता



भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस जीत का जश्न मनाया और पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पूरे आयोजन में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा, वहीं राहगीरों को झालमुड़ी बांटकर खुशी साझा की गई।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि जन-जन का आशीर्वाद और पार्टी का संकल्प ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है, जिसके बल पर देश में विकास और सुशासन का नया अध्याय लिखा जा रहा है।

## संगठन का प्रयास रंग लाया डहर राम ध्वज को प्रति माह पेंशन मिलने का हो गया रास्ता साफ

**जगदलपुर।** डहर राम ध्वज शां उ मा विद्यालय बालेंगा जिला बस्तर से प्राचार्य पद पर कार्य करते हुए दिनांक 31.03.2025 को सेवा निवृत्त हो गए। किंतु आर्बिट न होने एवं न जांच न मांग न घटना प्रमाण पत्र रायपुर से उपलब्ध न होने के कारण संयुक्त संचालक कोष लेखा कार्यालय जगदलपुर से पीपीओ जारी नहीं हो सका। जब यह मामला संभागीय सम्मेलन के दौरान संगठन के संज्ञान में लाया गया।

तब संगठन की ओर से तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल से भेंट कर मामले का निराकरण होने तक शासन के प्रावधान के तहत 90फीसदी एटीसेप्टेरी पेंशन का आदेश जारी करने का आग्रह किया गया। तदनुसार संगठन के पहल पर जिला शिक्षा अधिकारी ने त्वरित कार्यवाही करते हुए



90फीसदी पेंशन का आदेश जारी किया। जिला शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित लिपिक को संगठन की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया गया। यह जानकारी संभागीय अध्यक्ष पेंशनर महासंघ रामनारायण ताटी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

प्रेस विज्ञप्ति जारी करने वालों में आर एन ताटी, किशोर कुमार जाधव, शिवकुमार मिश्रा, अब्दुल सत्तार खान, एल एस नाग, बी एस नेताम, एस डी मांडी, सुरेश कुमार दलवाई, जयमनी ठाकुर, सविता नायर, करमजीत कौर, अनिता राज, सुंदरा सिन्हा, रेखा सेन, के बेलसरिया एवं शुभा कुंडू शामिल थे।

## सटेली में लाखों खर्च के बाद भी नहीं मिला पानी

जल जीवन मिशन की पोल खुली, 25फीसदी घर अब भी जल संकट से जूझ रहे

**कांकेर।** केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का जमीनी सच ग्राम सटेली के स्कूल पारा में सामने आया है, जहां लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को आज तक नियमित पानी नहीं मिल पा रहा है। गांव में पानी की टंकी का निर्माण दो वर्ष पहले कर लिया गया था और करीब डेढ़ साल पहले जल सप्लाई भी शुरू कर दी गई थी, लेकिन तकनीकी खामियों और लापरवाही के कारण योजना का लाभ अधूरा ही रह गया है।

**पाइपलाइन लीकेज से हजारों लीटर पानी बर्बाद**  
ग्रामीणों के अनुसार पाइपलाइन बिछाने के दौरान गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। कई स्थानों पर पाइपलाइन में लीकेज हो गया है, जिससे रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। इसका सीधा असर जल सप्लाई पर



पाइपलाइन लीकेज से हजारों लीटर पानी बर्बाद  
ग्रामीणों के अनुसार पाइपलाइन बिछाने के दौरान गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। कई स्थानों पर पाइपलाइन में लीकेज हो गया है, जिससे रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। इसका सीधा असर जल सप्लाई पर

**टूटी पाइपलाइन**  
ग्रामीण नाथूराम नरेटी, लखन नरेटी, बुधराम नरेटी, शिवलाल नरेटी और मंशा गावडे ने बताया कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई नलियों की भराई सही तरीके से नहीं की गई थी। बारिश और मिट्टी धंसने के कारण पाइपलाइन कई जगहों से टूट चुकी है, जिससे पानी का दबाव आगे तक नहीं पहुंच पा रहा है।

**लाखों खर्च के बाद भी अधूरी सुविधा**  
ग्रामीणों का कहना है कि योजना के तहत टंकी निर्माण और पाइप कनेक्शन विस्तार का काम पूरा दिखाकर लाखों रुपये खर्च कर दिए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका लाभ नहीं मिल रहा। पानी की कमी के कारण लोगों को

आज भी वैकल्पिक स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

**सुधार की मांग, विभाग से कार्रवाई की उम्मीद**  
ग्रामीणों ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग से जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत कर जल सप्लाई सुचारु करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सुधार कार्य नहीं किया गया तो गर्मी के दिनों में जल संकट और गहरा सकता है।

**जिम्मेदारों पर सवाल, कब मिलेगा समाधान?**  
अब सवाल उठ रहा है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद योजना का लाभ ग्रामीणों तक क्यों नहीं पहुंच पाया। देखा जाए, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका लाभ नहीं किन्तनी गंभीरता से लेकर समाधान करता है।

## ज्ञानगुड़ी में अग्निवीर भर्ती परीक्षा का विशेष प्रशिक्षण शुरू

बस्तर के रणबांकुरों ने थामी सफलता की कमान

**जगदलपुर।** बस्तर के युवाओं के रों में दौड़ते देश सेवा के जज्बे को अब सही दिशा और सटीक मार्गदर्शन मिल गया है। भारतीय थल सेना में अग्निवीर बनकर मातृभूमि की रक्षा का सपना देखने वाले युवाओं के लिए जिला प्रशासन की विशेष पहल धरातल पर उतर आई है। धरमपुरा स्थित ज्ञानगुड़ी में अग्निवीर थलसेना की लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन कोचिंग का विधिवत शुभारंभ हो चुका है, जिससे अब स्थानीय युवाओं की तैयारी ने रफ्तार पकड़ ली है।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र जगदलपुर द्वारा संचालित यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 4 मई से शुरू होकर आगामी 4 जून तक निरंतर जारी रहेगा। इस एक माह के सघन क्रेस कोर्स का मुख्य उद्देश्य बस्तर के युवाओं को सेना की आधुनिक ऑनलाइन कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के पैटर्न से रूबरू कराना है। प्रशासन ने इस अभियान की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी संसाधनों और विषय विशेषज्ञों के चयन पर विशेष जोर दिया है, ताकि प्रशिक्षण



वर्तमान में ज्ञानगुड़ी में प्रशिक्षण ले रहे युवाओं के उत्साह को देखकर यह स्पष्ट है कि प्रशासन की यह योजना बस्तर के भविष्य के अग्निवीरों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। विशेषज्ञों की देखरेख में चल रही इन कक्षाओं के माध्यम से अब बस्तर का युवा न केवल शारीरिक दक्षता में, बल्कि बौद्धिक और तकनीकी मोर्चे पर भी भारतीय सेना की कसौटियों पर खरा उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है।

की गुणवत्ता राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के अनुरूप हो। प्रशिक्षण के सुचारु संचालन के लिए प्रशासन ने पहले ही अनुभवी कोचिंग संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए थे, जिसके तहत चयनित विशेषज्ञ अब युवाओं को परीक्षा की बारीकियां सिखा रहे हैं। जो संस्थाएं इस पुनर्निर्माण में सहभागी बनना चाहती हैं, उनके लिए प्रशासन ने आवेदन की प्रक्रिया को भी सुगम बनाया है। इच्छुक शैक्षणिक संस्थान आड़वाल स्थित कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से या विभागीय ईमेल के माध्यम से अपने प्रस्ताव साझा कर रहे हैं।

- ग्रामीण आजीविका संवर्धन को सुदृढ़ करने के लिए निर्देश
- जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण पर दिया विशेष जोर

# एक दिवसीय दौरे पर कौंडागांव पहुंचे राज्यपाल

राज्यपाल ने कौंडागांव में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की ली बैठक

**जनधारा समाचार**  
**कोण्डागांव।** राज्यपाल रमन डेका ने मंगलवार को कौंडागांव जिले के जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बैठक में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जल संचयन और एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधरोपण करने और ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के प्रयासों पर विशेष जोर दिया। साथ ही सभी अधिकारियों को आम नागरिकों के समस्याओं का समाधान मानवीय संवेदना के साथ करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल डेका ने कहा कि माओवाद के खतरे के बाद अब परिस्थिति बदल गई है। नए परिदृश्य में सभी अधिकारी शासन की प्रशासनिक योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बेहतर ढंग से करें। उन्होंने जल संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि गांव की जल स्तर के वर्षा से पहले और बाद की स्थिति का आकलन अवश्य करें। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बनने

वाले आवास में रैन हार्वैस्टिंग संरचना को शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने एनसीसी में अधिक से अधिक अधिकारियों को जोड़ने के लिए प्रेरित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों में अनुशासन और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के लिए बहुत जरूरी है। राज्यपाल ने जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के व्यक्तियों को प्रधानमंत्री जन मन योजना से के माध्यम से शासन की योजनाओं से शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने हुए उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन पर जोर देते हुए कहा कि स्व सहायता समूह द्वारा बनाए गए उत्पादों के मूल्य संवर्धन हेतु कार्य करें और मार्केटिंग चैनल विकसित करें। साथ ही जैविक खेती पर जोर देते हुए इसके उपज की भी मार्केटिंग हेतु सप्लाय चैन तैयार करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने योग को अपने दैनिक जीवन का अनिवार्य अंग बनाने को कहा और विद्यार्थियों को भी इसके लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने बालिकाओं एवं महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य पर जोर देते हुए



08 मई को शिविर आयोजित कर स्वास्थ्य परीक्षण विशेषकर स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पेंशन प्रकरणों के समय पर निराकरण, नशे के प्रवृत्ति पर रोकथाम के लिए सार्थक पहल करने और टीबी उन्मूलन के लिए सक्रियता के साथ कार्य करने



और रेडक्रास की सदस्यता बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में कलेक्टर नूपुर राशि पत्ता ने जिले में योजनाओं के क्रियान्वयन और नवाचार की जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी। इसके अलावा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों द्वारा जल-संवर्धन के प्रयास,

विशेषकर श्रमिक एवं अनाथ बच्चों पर ध्यान, पुस्तकालय-वाचनालय की उपलब्धता, स्कूल कॉलेजों में नैतिक एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम, एनसीसी के प्रति आकर्षण बढ़ाना, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण एवं सम्मान, असहाय-परित्यक्त वृद्धजनों की सहायता, महिलाओं के कौशल विकास एवं स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण, नशा मुक्ति एवं सुधारात्मक कार्यक्रम, सहकारिता की भावना का विकास, जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास, ट्रेफिक नियमों के प्रति जागरूकता एवं पालन, इंडियन रेडक्रास सोसायटी गतिविधियों, आकाशी जिला कार्यक्रम की जानकारी एवं प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों उपस्थित रहे।

## शिक्षा जागरूकता के लिए दिव्यांगों की बाइक रैली काँकेर पहुंची



**काँकेर।** शिक्षा के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रदेश के दिव्यांगों का एक जथा बाइक रैली के रूप में रायपुर के घड़ी चौक से बस्तर स्थित दंतेश्वरी मंदिर तक यात्रा पर निकला है। लगभग 616 किलोमीटर की इस यात्रा में 32 दिव्यांग शामिल हैं, जो भीषण गर्मी के बीच सफर कर रहे हैं।

इंगल स्पेशली एबिलिड राइडर्स संस्था के समन्वयक संदीप कुमार के नेतृत्व में यह रैली संचालित हो रही है। जथा काँकेर पहुंच चुका है और आधी दूरी पूरी कर चुका है। काँकेर आगमन पर जन सहयोग संस्था के

### जन सहयोग संस्था ने किया स्वागत

सदस्यों एवं भूतपूर्व सैनिकों द्वारा रैली का स्वागत किया गया। रात्रि विश्राम के लिए गुजराती सामुदायिक भवन में व्यवस्था की गई, वहीं भोजन की व्यवस्था भी संस्था द्वारा की गई। अगले दिन सुबह रैली को चाय-नारता देकर कृषि विभाग परिसर तक विदा किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के सुनिंद मानिकपुरी (इंस्पेक्टर), शिवकुमार बेसरे (प्रधान आरक्षक) और संतोष मरकाम (आरक्षक) ने सहयोग किया। इसके अलावा जन सहयोग संस्था के अध्यक्ष अजय मोटवानी, टी.के. जैन, प्रवीण कुमार गुप्ता, मनोज दुबे और राजेश चौहान सहित अन्य लोगों ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

## वन्यजीव तस्करी पर कार्रवाई, 4 आरोपी गिरफ्तार, 7 जीवित कछुए बरामद



**काँकेर।** सिटी कोतवाली पुलिस ने वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 7 नग छोटे-बड़े जीवित देशी कछुए बरामद किए गए हैं। सभी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 50 एवं 51 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 मई 2026 को पेट्रोलिंग के दौरान सूर्यवंशी के सूर्यवंशी के सिविल लाइन क्षेत्र अंतर्गत पण्डरीपानी नदी नदी स्टॉप डैम के पास कुछ लोग सफेद बोरी में प्रतिबंधित कछुए ले जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते

(19 वर्ष), उमेश कुमार गोटा (30 वर्ष) और ऐवन कुमार गोटा शामिल हैं। सभी निवासी पोटगांव थाना कोरर क्षेत्र के हैं। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस टीम में थाना प्रभारी प्रतिक बनसोडे, उप निरीक्षक सुरेंद्र मानिकपुरी, सहायक उप निरीक्षक भुनेश्वरी भगत, प्रधान आरक्षक शिव बेसरे, आरक्षक राकेश बघेल और लक्ष्मण भास्कर शामिल रहे।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

## महिला आरक्षण बिल सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन



**केंद्र सरकार देश की महिलाओं को संवैधानिक अधिकार देने महिला आरक्षण बिल तत्काल लागू करें: सुशील मौर्य**

**जगदलपुर।** सोमवार को बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य जी के निर्देश पर प्रभारी शकील रिजवी की उपस्थिति एवं पूर्व विधायक रेखचंद व नगर निगम नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी सहित ब्लॉक/मंडल/सेक्टर अध्यक्षगणों की अगुवाई में भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण देश व प्रदेश में घरेलू/कमर्शियल गैस सिलेंडर के लगातार बढ़ते दामों की वृद्धि के विरोध में 543 सीटों पर महिला आरक्षण बिल को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ शहर के कुम्हारपारा चौक में विरोध प्रदर्शन किया गया।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटों में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के तहत लगभग 180 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। लोकसभा एवं विधानसभा की सभी आरक्षित सीटों पर महिलाओं को पूरा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए/केंद्र सरकार महिला आरक्षण के मुद्दे पर केवल राजनीतिक बयानबाजी कर रही है,केंद्र सरकार महिला आरक्षण बिल को परिसीमन और जनगणना जैसी प्रक्रियाओं से जोड़कर लंबित न रखा जाए, बल्कि इसे तत्काल लागू कर देश की महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिया जाए। यदि सरकार इस वस्व में महिला सशक्तिकरण के प्रति गंभीर है, तो उसे इस बिल को शीघ्र लागू कर महिलाओं को राजनीति में बराबरी का अवसर देना चाहिए। केंद्र सरकार जनगणना या परिसीमन जैसे बहाने बनाकर इसे टालने के बजाय अगले चुनाव से पहले ही महिला आरक्षण लागू करे।

श्री मौर्य ने आगे कहा बेरोजगारी,बढ़ती कीमतों और किसानों की समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। पेट्रोल-डीजल सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं पहले से मंहगी हैं और रसोई गैस व कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों वृद्धि कर जनता की जेब काट रही है सरकार बड़े-बड़े दावे कर रही है। मध्यम वर्ग,किसान,मजदूर और छोटे व्यापारी सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। वहीं आम

## सुशासन तिहार में तुमरीगुंडा में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित



**राज्यपाल ने टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरित किए, टीबी मुक्त होने मिला प्रमाण पत्र**

**कौंडागांव।** छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका ने मंगलवार को जिला कार्यालय कौंडागांव में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 5 मरीजों को फूड बास्केट वितरित किए। इस दौरान ग्राम पंचायत चिखलपट्टी, किर्वाबालेंगा और मालाकोट को टीबी मुक्त घोषित किए जाने पर संबंधित ग्राम सरपंचों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 5 हिताग्रहियों को आयुष्मान कार्ड, रेडक्रास सोसायटी के 4 नये सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र तथा राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत 5 लोगों को चश्मे भी वितरित किए गए। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पत्ता, पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, सीएमएचओ डॉ. आर.के. चतुर्वेदी सहित अन्य विभागियों अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## बस्तर मुझे व सुशासन तिहार 06 मई को जिले के विभिन्न गांवों में शिविर का आयोजन

**काँकेर।** राज्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने हेतु बस्तर संभाग में संचालित बस्तर मुझे तथा नियद नेल्लानार 2.0 और राज्य व्यापी सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बस्तर मुझे एवं सुशासन तिहार के तहत 06 मई को जिले के सभी सातों विकासखण्ड के कुल 99 गांवों में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जिला पंचायत से मिली जानकारी के अनुसार अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम चिपोण्डी, माहुएपाट, बेहेकट्ट, पतकालवेडा, लामनानदाम, भरौटोला, टेकापानी, बेरानतार, कोटकोडे, टेम्पुपानी, बरंवेडा, पादरगांव, निबरा, पल्लकसा, मातला अ, गेड़गांव, हिरनपाल, खड्कगांव, चिचगांव, तहकानटोला और सांवलीबरस में शिविर आयोजित किया जाएगा।

## 'सही दवा-शुद्ध आहार' अभियान: भोपालपटनम में ढाबों व दुकानों पर कार्रवाई

**बीजापुर।** लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार 'सही दवा-शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार' थीम पर चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत भोपालपटनम में व्यापक निरीक्षण और कार्रवाई की गई।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन, राजस्व विभाग और नगर पंचायत की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में संचालित ढाबा, होटल, डेलीनीड्स, जूस सेंटर, फल दुकान, मिठाई दुकान और फास्ट फूड सेंटर सहित कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों में अनियमितता पाए जाने पर सत्यनारायण भोजनालय, मोना ढाबा, श्रीराजन ढाबा और लक्ष्मी फास्ट फूड पर चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही खाद्य कारोबारियों को स्वच्छता बनाए रखने, हाइजीन मॉटेन करने और खाद्य सुरक्षा से जुड़े आवश्यक नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। जिन दुकानदारों के पास खाद्य अनुज्ञप्ति पंजीयन नहीं था। उन्हें शीघ्र लाइसेंस बनवाने के लिए निर्देशित किया गया। अधिकारियों ने सभी व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी भी दी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है।

## इंटक कप 2026: बारसूर टाइगर्स की टीम ने जमाया कब्जा

**10 दिन तक चले इस मुकाबले में 32 टीमों ने लिया था भाग**

**बचेली कैपिटल उपविजेता**

**बचेली।** अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस एवं इंटक स्थापना दिवस के अवसर पर मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (इंटक) द्वारा आयोजित इंटक कप 2026 रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन 04 मई को रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। फाइनल मैच बारसूर टाइगर्स और बचेली कैपिटल के बीच खेला गया, जिसमें बारसूर टाइगर्स ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

यह प्रतियोगिता 23 अप्रैल से प्रारंभ होकर लगातार 10 दिनों तक चली, जिसमें कुल 32 टीमों ने हिस्सा लेकर अपने-अपने कौशल का प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान खेल मैदान में दर्शकों की भारी भीड़ और उत्साह देखने को मिला, वहीं फाइनल मुकाबले के बाद आतिशबाजी ने माहौल को और भी उत्सवमय बना दिया।

विजेता टीम बारसूर टाइगर्स को श्रीधर कोडाली (एचओपी), एनएमडीसी बीआईओएम बचेली कॉम्प्लेक्स), महेश नायर (महाप्रबंधक, एचआर) एवं आशीष यादव (महासचिव, मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन इंटक) के हाथों ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। यूनियन के अध्यक्ष चंद्र कुमार





# ‘किताबों का खेल और खामोश व्यवस्था: छत्तीसगढ़ की शिक्षा में छिपा सच’

■ संपादकीय



छत्तीसगढ़ के शिक्षा जगत में आज एक गंभीर और चिंताजनक प्रवृत्ति तेजी से उभर रही है शब्दों और ज्ञान से ज्यादा अब ‘कोर्स से बाहर की किताबों’ का खेल हावी होता जा रहा है। सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि एनसीईआरटी की किताबों के अलावा किसी भी अतिरिक्त पुस्तक को शासकीय या निजी स्कूलों में प्रचार्य अपनी मर्जी से लागू नहीं करेंगे। लेकिन यह निर्देश अब महज कागजों तक सीमित रह गए हैं। जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग और कहीं अधिक जटिल है।

हर साल एक तय पैटर्न पर यह पूरा तंत्र काम करता है। पहले स्कूलों में एडमिशन की प्रक्रिया पूरी होती है, उसके बाद बच्चों और अभिभावकों को एक तय दुकान या स्वयं स्कूल के माध्यम से किताबें खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है। इन किताबों में बड़ी संख्या ऐसी पुस्तकों की होती है, जो पाठ्यक्रम से बाहर की होती हैं और यही इस पूरे खेल का केंद्र है। 60-70 पन्नों की किताबें 300-400 रुपये में बेची जाती हैं, जिनकी वास्तविक लागत मुफ्फिल से 60-70 रुपये होती है। सवाल यह नहीं है कि किताबें महंगी क्यों हैं,

बल्कि यह है कि इस महंगाई के पीछे कौन-सा गठजोड़ काम कर रहा है। यह एक खुला रहस्य है कि प्रकाशक स्कूलों को भारी कमीशन देते हैं। यही वजह है कि स्कूल इन किताबों को अनिवार्य बनाते हैं। शिक्षा विभाग तक इस तरह की शिकायतें नियमित रूप से पहुंचती हैं, और विभाग को इस पूरे खेल की जानकारी भी होती है। फिर भी कार्रवाई का अभाव यह संकेत देता है कि समस्या सिर्फ स्कूल और प्रकाशकों तक सीमित नहीं है। धीरे-धीरे यह संदेश गहरता जा रहा है कि इस ‘कमीशन चक्र’ में शिक्षा विभाग के कर्मचारी, अधिकारी और संभवतः उच्च स्तर तक के लोग भी शामिल हो सकते हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जो आदेश स्कूलों को एडमिशन से पहले भेजे जाने चाहिए, वे अक्सर 2-3 महीने बाद जारी होते हैं—जब तक सारी खरीद-फरोख्त और ‘बंदरबांट’ पूरी हो चुकी होती है। यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक सुनियोजित मौन स्वीकृति जैसा प्रतीत होता है।

अभिभावकों में इस मुद्दे को लेकर गहरा आक्रोश है, लेकिन वे मजबूर हैं। उनका कहना है कि यदि वे स्कूल की शर्तों का विरोध करते हैं, तो बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ की अप्रत्यक्ष धमकी दी जाती है। शिक्षा, जो अधिकार होनी चाहिए, वह अब एक ‘प्रेशर सिस्टम’ में बदलती जा रही है। दूसरी ओर, प्राइवेट स्कूलों में फीस नियंत्रण का मुद्दा भी उठना ही जटिल है। किताबों और ड्रेस की अनिवार्य खरीद के जरिए स्कूल अप्रत्यक्ष रूप से अतिरिक्त आर्थिक दबाव बनाते हैं। स्कूल संचालकों का तर्क है कि यह ‘व्यवस्था’ का हिस्सा है। जहां तक 10वीं तक की बात है, राज्य सरकार छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के माध्यम से किताबें उपलब्ध कराती है, लेकिन 11वीं और 12वीं में निजी प्रकाशकों की भूमिका बढ़ जाती है और यहीं से अनियमितताओं की गुंजाइश भी। हाल के वर्षों में न्यायालयों ने भी इस मुद्दे पर टिप्पणी की है। यहां तक कहा गया कि जैसे होटल या अस्पताल में सेवाओं के अनुसार विकल्प होते हैं, वैसे ही शिक्षा में भी विकल्प उपलब्ध हैं, आप जिस स्तर की सुविधा चाहते हैं, उसके अनुसार भुगतान करें। लेकिन यह तर्क एक बुनियादी सवाल को अनदेखा करता है—क्या शिक्षा भी अब पूरी तरह ‘बाजार’ के हवाले कर दी गई है? क्या गुणवत्ता शिक्षा अब केवल आर्थिक

क्षमता का विषय बनती जा रही है? मंत्रालय और जिम्मेदार अधिकारी हर बार एक ही जवाब देते हैं ‘जानकारी नहीं है’, ‘जांच करावेंगे’, ‘कार्रवाई करेंगे।’ यह जवाब वर्षों से दोहराया जा रहा है, लेकिन न जांच होती है, न कार्रवाई। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिस बात को राज्य का बच्चा-बच्चा जानता है, उसे अधिकारी और मंत्री क्यों नहीं जानते? यह स्थिति केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि नैतिक संकट भी है। शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य बच्चों का भविष्य संवारना है, न कि उसे एक व्यापारिक मॉडल में बदल देना। यदि समय रहते इस पर टोस और पारदर्शी कार्रवाई नहीं हुई, तो यह ‘किताबों का खेल’ आने वाली पीढ़ियों के विश्वास को भी खोखला कर देगा।

अब समय आ गया है कि सरकार केवल आदेश जारी करने तक सीमित न रहे, बल्कि उनके पालन की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करे। शिक्षा को बाजार से निकालकर पुनः अधिकार और समान अवसर के दायरे में लाना होगा—वरना यह खामोशी ही सबसे बड़ा अपराध बन जाएगा।

## प्रतीक खरे की कलम से अधूरी नींद की किस्में

अंदाज - नज्म

ए अधूरी नींद आओ तुमसे बात करते हैं, पता भी है तुम्हें कि तुम्हारी कई किस्में होती हैं,

एक किस्म है, सपने अधूरे रह जाने के कारण, कुछ न पाने की कसक के कारण, ये किस्म बड़ी बेचैन सी होती है, सोते हुए भी जागती सी होती है, आसुओं के साथ आती है, उदासी के साथ उठती है,

एक किस्म है, सपने पूरे करने की चाहत के कारण, जब कोई कामयाब होना चाहता है, तो वो कुछ कर दिखाने को रात रात भर जागता है, थोड़ा सा सोता है फिर उठकर मुंह धोता है, जब कामयाब हो जाता है तो, बड़े फख्र से तुम्हें बयान करता है, तुम्हारे अधूरूपन का पूरा सम्मान करता है,

एक और किस्म है जो कामयाबी दर कामयाबी आगे बढ़ती है, नए नए सपने चुनकर गढ़ती है, लेकिन हर कामयाबी के बाद फिर आ जाता है अगला सपना, और या तो शुरू कर देती हो तुम अपना, फिर वहीं कामयाबी की दौड़, मंजिल तक पहुंचने की चाह, और एक अधूरी नींद, कई बार ये भी होता है, कि दौड़ने वाला नींद और मंजिल दोनों को खो देता है, इस किस्म की खासियत बताऊँ, जिंदगी की जंजीरहद को खंगालकर एक नजर बीते सालों पर झलकर कोई समझ नहीं पाया है इस दौर में क्या खोया क्या पाया है ?

एक किस्म है, किसी संत और योगी की, जो खुद को पाने की तलाश में उसे सोने नहीं देती, गुफा में आग या दिए की रोशनी मकसद को खोने नहीं देती, और वो गहन मीन में डूब जाता है, कभी खुद को तो कभी खुद को छू पाता है, आखिरकार एक दिन, ब्रह्म मुहूर्त में जाग कर, जगत के सारे प्राणों को त्याग कर, अचाकप पा लेता है, अपने दिव्यत्व को, जग दो नहीं रह जाते, ऐसे एकलव्य को, तब नहीं रह जाती है कोई अधूरी नींद और शेष नहीं बचती है सपने की एक बुंद, वहान न सपने न ना नींद, ना मैं है, ना तुम, बेशक, पूरे सपनों और अधूरी नींद की यही है सबसे अच्छी किस्म,

# बीजेपी की ‘वोट चोरी’ के खिलाफ क्यों कोई ‘जेपी-अन्ना’ सामने नहीं आता

संजय सक्सेना

भारत की पवित्र भूमि सदैव संतों, साधुओं और महानायकों की धरोहर रही है। हर कठिन में ऐसे पराक्रमी पुरुष और नरियां जन्म लेती रहीं हैं जिन्होंने देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया। अंग्रेजी राज के विरुद्ध महात्मा गांधी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों ने प्राणों की बाजी लगा दी। आजादी के बाद भी जब सत्ता के नशे में कोई सरकार तानाशाही का रंग दिखाने लगी, तब लोकनायक जयप्रकाश नारायण ‘जेपी’ जैसे योद्धाओं ने सत्ता की नींव हिला दी। 1975 में जब इंदिरा गांधी ने न्यायालय के एक निर्णय के विरुद्ध पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया, तो जयप्रकाश नारायण ने ऐसा प्रत्यक्ष आंदोलन खड़ा किया कि कांग्रेस की सत्ता जड़ से उखड़ गई। इस आंदोलन में कांग्रेस छोड़कर आए विपक्ष के अनेक प्रमुख नेता शामिल हुए। इनमें आचार्य जे.बी. कृपलानी, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, चरण सिंह, जॉर्ज फर्नांडिस, मधु लिमये, राज नारायण, कर्पूर ठाकुर, शरद जोशी, दीनदयाल उपाध्याय के अनुयायी और भी कई दिग्गज थे। इन सबने जयप्रकाश के नेतृत्व में एकजुट होकर तानाशाही के विरुद्ध जनसैलाब खड़ा कर दिया। यह घटना भले ही पचास वर्ष पुरानी हो, किंतु इसके समान अनेक आंदोलनों ने देश की राजनीति को नई दिशा दी है। लेकिन सवाल यह है कि आज जब कांग्रेस और विपक्ष के अन्य नेता लगातार भारतीय जनता पार्टी पर वोट चोरी से सत्ता हथियाने का आरोप लगा रहा है, तब बीजेपी विरोधी नेता मीडिया में शोर मचाने की बजाय जनता को संगठित कर आंदोलन क्यों नहीं खड़ा कर रहे हैं? क्या विपक्ष में जयप्रकाश जैसा कोई नायक नहीं है? या फिर भारतीय जनता पार्टी को देश की जनता उसकी विचारधारा के चलते हाथों हाथ ले रही है। इसी का परिणाम है पश्चिम बंगाल में पहली बार बीजेपी की सरकार का आना और असम में बीजेपी का हैट्रिक लगाना। बीजेपी को इस जीत को विपक्ष बीजेपी की वोट चोरी बता रहा है।



**जयप्रकाश का ऐतिहासिक विद्रोह:** भारत माता की गोद में एक कायस्थ परिवार में जन्मे जयप्रकाश नारायण, जिन्हें सब लोकनायक कहते थे, स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सिपाही रहे। बिहार भूमि के इस सपूत ने गांधीजी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजी हुकूमत को ललकारा। आजादी मिलने के बाद वे समाजवादी धारा के प्रखर नेता बने। 1971 के चुनावों में कांग्रेस की प्रचंड विजय के बाद भ्रष्टाचार और कुशासन चरम पर पहुंच गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित कर दिया। इससे घबराई इंदिरा ने 25 जून को पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। प्रेस पर ताले लग गए, विपक्षी नेताओं को जेलों में ठूस दिया गया। संपूर्ण अधिकार निलंबित हो गए। इसी अंधेरे में जयप्रकाश नारायण ने पटना के गांधी मैदान से विद्रोह का बिगुल फूंक दिया। उनका नारा था, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। इस आंदोलन ने राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण कर लिया। बिहार से शुरू होकर गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक तक फैल गया। छत्र, किसान, मजदूर, बुद्धिजीवी सब सड़कों पर उतर आए। जयप्रकाश ने सम्पूर्ण जनता को मंत्र दिया, जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षिक सभी क्षेत्रों में परिवर्तन की बात थी। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस आंदोलन से प्रभावित होकर दलबदल लिया। मोरारजी देसाई जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी ने त्यागपत्र दे

दिया। आचार्य कृपलानी ने भारतीय लोक दल बनाया। चरण सिंह किसान नेता के रूप में आगे आए। जनसंघ के अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी ने इस आंदोलन में पूरे जोश से भाग लिया। समाजवादी धड़े से जॉर्ज फर्नांडिस, मधु लिमये ने भूमिगत रहकर आंदोलन चलाया। राज नारायण ने इंदिरा को हराकर लोकसभा पहुंचे। इन सबने मिलकर 1977 के चुनावों में कांग्रेस को धूल चटा दी। जनता पार्टी बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री। जयप्रकाश का आंदोलन सिद्ध करता है कि जनशक्ति सत्ता को घुटने पर ला सकती है। अन्य ऐतिहासिक आंदोलन: जयप्रकाश का आंदोलन अकेला नहीं था। भारत ने अनेक बार जन आक्रोश देखा है जो सत्ताधारियों को झुकने पर मजबूर कर गया। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों के विरुद्ध वी.पी. सिंह सरकार के विरुद्ध लालकृष्ण आडवाणी ने रथ यात्रा निकाली। यह राम जन्मभूमि आंदोलन का रूप ले लिया। लाखों कारसेवक अयोध्या पहुंचे। इससे भाजपा मजबूत हुई और सरकार गिरि। 2011 में अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध रामलीला मैदान में अनशन किया। लाखों लोग दिल्ली की सड़कों पर उतरे। संसद में लोकपाल विधेयक पर बहस छिड़ गई। यूपीए सरकार को घुटने टेकने पड़े। अन्ना को जनता का दूसरा जयप्रकाश कहा गया। 1974 के गुजरात नवनिर्माण आंदोलन में छात्रों ने मोरारजी देसाई के नेतृत्व में चिम्मभाई पटेल सरकार गिराई। यह जयप्रकाश आंदोलन का पूर्व संकेत था। 1980 के दशक में किसान आंदोलनों ने महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश में सरकारों को हिलाया। शरद जोशी के शेतकरी संगठन ने महाराष्ट्र में खाद्य नीति बदली। 1992 के बाद भी बाबरी विध्वंस के बाद कई राज्य सरकारें बदलीं। 2019-2020 में नागरिकता संशोधन विधेयक के विरुद्ध शाहीन बाग में महिलाओं ने महीनों धरना दिया। इससे भाजपा को कई सीटें गंवानी पड़ीं। 2020-2021 के किसान आंदोलन ने तीन कृषि कानूनों को रद्द करा दिया। राकेश टिकैट जैसे नेता उभरे। दिल्ली की सीमाओं पर लाखों किसान डटे रहे। मोदी सरकार को कानून वापस लेने पड़े। ये उदाहरण सिद्ध करते हैं कि संगठित जनआंदोलन किसी भी सत्ता को डिंगमगा सकता है। मीडिया शोर से कुछ नहीं होता, सड़क पर जनता उतरे तो परिवर्तन होता है। विपक्ष का बीजेपी पर वोट चोरी आरोप आजादी के 79 वर्ष बाद भी राजनीति में वही पुरानी बीमारियां हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्ष ने भाजपा पर मतों की चोरी का आरोप लगाया। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर संदेह जताया। कई स्थानों पर मतगणना में विसंगतियां बताईं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल, द्रमुक जैसे दल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। किंतु कोर्ट ने याचिकाएं खारिज कर दीं। विपक्ष मीडिया स्टूडियो में चीखता-चिल्लाता रहता है। टेलीविजन बहसों में आरोप लगाता है, किंतु सड़क पर कोई बड़ा आंदोलन नहीं। क्या कारण है? जयप्रकाश जैसा नायक क्यों नहीं उभर रहा? क्या विपक्ष में एकजुटता की कमी है? क्या नेता स्वार्थी हो गए हैं? जयप्रकाश के समर्थन में विपक्ष के नेता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा त्याग कर एकजुट हुए थे। आज प्रत्येक दल अपनी कुर्सी बचाने में लगा है। राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, स्टालिन जैसे नेता अलग-अलग बयानबाजी करते हैं। कोई राष्ट्रीय नेता आगे नहीं आ रहा जो सभी को एक सूत्र में बांधे। वोट चोरी के प्रमाण जुटाने के बजाय सोशल मीडिया पर मीम्स और वीडियो चल रहे हैं। जयप्रकाश ने गांव-गांव जाकर जनता को जगाया था। आज विपक्ष अपनी तर्कों के संगठन में अलग-अलग विपक्ष शामिल नहीं हुआ, नागरिकता विरोध में भी फूट पड़ी। भाजपा मजबूत संगठन के साथ खड़ी है। विपक्ष के पास जनाधार कमजोर पड़ गया है। युवा वर्ग बेरोजगारी से त्रस्त है, किंतु विपक्ष उसे संगठित नहीं कर पा रहा। क्या यह विपक्ष की शोथी चिंखें हैं? जयप्रकाश न होने का प्रमाण तो यही है कि आरोप लगाने वाले खुद आंदोलन से डरते हैं।

# भंडारों में गैस किल्लत ने फीकी की रौनक

**अजय कुमार,** लखनऊ एक ऐसा शहर है जो अपनी तहजीब, नवाबी विरासत और धार्मिक सौहार्द के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यहाँ की गंगा-जमुनी तहजीब में जहाँ ईद की सेवहवाँ गली-मोहल्लों में बँटती हैं, वहाँ जेट के महीने में बड़े मंगल का उत्सव पूरे शहर को एक अलग ही रंग में रंग देता है। जेट माह के पहले मंगल पर आज भंडारों का नजारा काफी बदला-बदला नजर आया। लखनऊ में बड़ा मंगल केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, यह लखनऊ की सामूहिक आत्मा का उत्सव है, जिसमें जाति, धर्म और वर्ग का कोई भेद नहीं रहता। हर गली, हर चौराहे पर भंडार लगते हैं और हर आने-जाने वाले को प्रसाद मिलता है। जेट माह के प्रत्येक मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार जेट का महीना भगवान हनुमान को विशेष रूप से प्रिय

माना गया है और मंगलवार का दिन तो वैसे भी बजरंगबली का दिन होता है। इसलिए जेट के मंगलवार को हनुमान जी की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन हनुमान जी की आराधना करने से मनोकांक्षाएँ शीघ्र पूर्ण होती हैं और भक्तों के संकट दूर होते हैं। बड़े मंगल की परंपरा की शुरुआत के बारे में लखनऊ में एक बड़ी रोचक ऐतिहासिक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि यह परंपरा नवाबी काल में शुरू हुई। अवध के नवाब नासिर-उद-दीन हैदर के शासनकाल में एक बार लखनऊ में भीषण गर्मी और अकाल जैसे हालात पैदा हो गए थे। उस समय अलीगंज स्थित हनुमान मंदिर के महंत ने भगवान हनुमान से प्रार्थना की और जेट के मंगलवारों को विशेष भंडार आयोजित करने का संकल्प लिया। कहते हैं कि नवाब स्वयं इस आयोजन से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने न केवल इसमें सहयोग दिया बल्कि इसे प्रोत्साहित भी किया। इसी दिन अलीगंज का पुराना हनुमान मंदिर बड़े

# कविता संसार

गज़ल

**संजय एम तराणकर**

नजर से नजर की जो 'मुलाकात' हो गई, खामोश थी वो बस एक ही बात हो गई। चाय की 'महक' में घुल-सा गया झरकार, लब कुछ न बोले, मगर शुरुआत हो गई। जाने उसकी हँसी में जैसे कोई राग छुपा, दिल की धडकनों में नई 'सौगात' हो गई। ओंखों ने ही पुछ ली हर अनकही कहानी, बिना 'अलफ़ाज' के ही सारी बात हो गई। वो सामने बैठा था, वक्त यूँ उरहर सा गया, लम्ही की यह मुलाकात, जल्बहत हो गई। कहना तो बहुत था, मगर हम कह न सके, वो चुपपी ही जैसे दिल की जुबान हो गई। ये इश्क भी बड़ा अजीब है 'संजय', देखो, एक नजर में ही पूरी ये कायनात हो गई।

# 'नीट' के बहाने—भविष्य पर प्रयोग या अवसर की निष्पक्ष कसौटी

**आकांक्षा तिवारी 'वर्षा'**

देश के लाखों विद्यार्थियों के सपनों का केंद्र—नीट—हर वर्ष एक परीक्षा से कहीं अधिक बनकर सामने आता है। यह केवल एक प्रवेश परीक्षा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है, जिसमें अवसर, प्रतिस्पर्धा, असमानता और उम्मीद एक साथ मौजूद हैं। इस वर्ष भी परीक्षा समाप्त होते ही वही परिचित बहस शुरू हो गई—पेपर कटितन था या आसान, कटऑफ कितना जाएगा, किसे सरकारी सीट मिलेगी। लेकिन इन सतही सवालों के पीछे एक गहरा और असह्य प्रश्न लगातार उभर रहा है—क्या नीट वास्तव में निष्पक्ष अवसर देता है, या यह एक ऐसी प्रक्रिया बन चुका है जहाँ हर साल विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रयोग किए जाते हैं?

इस वर्ष के प्रश्नपत्र को देखें तो स्पष्ट है कि परीक्षा अब रटने की परंपरा से आगे बढ़ चुकी है। बायोलॉजी में एनसीईआरटी की सीमाओं के भीतर रहते हुए भी अवधारणात्मक गहराई की माँग बढ़ी है। फिजिक्स में एक बार फिर छात्रों की गति और धैर्य की परीक्षा ली—लंबे, गणनात्मक और समय लेने वाले प्रश्नों ने कई अभ्यर्थियों को उलझाया। केमिस्ट्री अपेक्षाकृत संतुलित रही, जिसने कुछ राहत दी। पहली नजर में यह बदलाव सकारात्मक प्रतीत होता है—शिक्षा को समझ-आधारित बनाने की दिशा में एक कदम। लेकिन समस्या यहीं से शुरू होती है।

हर साल बदलता पैटर्न, बदलती कठिनाई, बदलते नियम—यह सब मिलकर परीक्षा को एक स्थिर कसौटी के

बजाय एक अनिश्चित प्रयोग में बदल देते हैं। नीट के आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि उस दबाव को कहानी हैं, जिसमें हर वर्ष लाखों युवा प्रवेश करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में परीक्षार्थियों की संख्या में तेज वृद्धि हुई है, लेकिन सीटों का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हो पाया। परिणामस्वरूप, प्रतिस्पर्धा अब केवल कठिन नहीं, बल्कि कई मायनों में असंतुलित हो गई है। पिछले दो वर्षों के रज़ानों को देखें तो यह अस्थिरता और भी स्पष्ट हो जाती है। कभी प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत आसान होता है, जिससे कटऑफ असामान्य रूप से ऊंचा चला जाता है। कभी पेपर कठिन हो जाता है, जिससे अच्छे छात्रों के अंक भी सीमित रह जाते हैं। टाई-ब्रेकिंग नियमों में बदलाव, मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर उठते सवाल, और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े विवाद—ये सब मिलकर एक ऐसी स्थिति बनाते हैं, जहाँ छात्र अपनी मेहनत से ज्यदा सिस्टम की अनिश्चितताओं से जूझते नजर आते हैं। नीट की सबसे बड़ी विडंबना 'अंकों का खेल' है। यहाँ एक या दो अंकों का अंतर हजारों रैंक का फासला पैदा कर देता है। 600 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र भी कई बार सरकारी मेडिकल कॉलेज की सीट से वंचित रह जाते हैं। निजी कॉलेजों की फीस अधिकांश परिवारों के लिए पहुंच से बाहर है। ऐसे में यह परीक्षा अवसर की खुली राह नहीं, बल्कि एक संकीर्ण द्वार बन जाती है—जहाँ प्रवेश के लिए केवल योग्यता नहीं, बल्कि परिस्थितियों और भाग्य का साथ भी आवश्यक हो जाता है। लेकिन इस पूरी व्यवस्था का सबसे कम चर्चा किया गया

पहलू है—पीढ़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा। नीट केवल एक वर्ष के छात्रों की परीक्षा नहीं है। इसमें वे छात्र भी शामिल होते हैं, जो एक, दो, तीन या यहां तक कि पांच वर्षों से तैयारी कर रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि एक नया छात्र उस प्रतियोगिता में उतरता है, जहाँ उसके सामने ऐसे प्रतियोगी खड़े होते हैं, जिनके पास अनुभव, अभ्यास और परीक्षा रणनीति में कई वर्षों के बहुत ही गहन और विविध प्रतियोगिता का और अधिक जटिल और मानसिक रूप से थकाऊ बना देती है। परीक्षा का संचालन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी—एनटीई द्वारा किया जाता है, जिसका उद्देश्य था—एकरूपता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना। लेकिन हाल के वर्षों में जिस प्रकार से परीक्षा पैटर्न, परिणाम प्रक्रिया और प्रबंधन में बदलाव हुए हैं, उन्होंने विद्यार्थियों के मन में विश्वास की जगह प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं। कई मामलों में छात्रों को न्यायालयों का दरवाजा खटखटाटना पड़ा—जो किसी भी परीक्षा प्रणाली के लिए स्वस्थ संकेत नहीं माना जा सकता। यहाँ प्रश्न यह नहीं है कि सुधार क्यों किए जा रहे हैं। सुधार किसी भी प्रणाली के लिए आवश्यक हैं। लेकिन जब सुधार निरंतर और अस्थिर तरीके से लागू होते हैं, तो वे सुधार नहीं, बल्कि प्रयोग प्रतीत होते हैं। और जब प्रयोग का विषय लाखों विद्यार्थियों का भविष्य हो, तो यह चिंता और भी गंभीर हो जाती है। आज का युवा केवल परीक्षा नहीं दे रहा, वह इस पूरी प्रक्रिया को समझने और उस पर प्रश्न उठाने की स्थिति में भी है। वह पूछ रहा है—अगर एक परीक्षा ही करियर तय करती है, तो क्या उसमें स्थिरता नहीं होनी चाहिए? क्या परीक्षा प्रणाली

इतनी पारदर्शी नहीं हो सकती कि परिणाम पर किसी को संदेह न हो? क्या मानसिक स्वास्थ्य को इस प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा नहीं माना जाना चाहिए? इन सवालों का उत्तर केवल विद्यार्थियों के पास नहीं है। इसकी जिम्मेदारी नीति निर्माताओं, परीक्षा संचालकों और पूरे शिक्षा तंत्र पर समान रूप से आती है। समाधान भी जटिल नहीं हैं, यदि इच्छाशक्ति हो। मेडिकल सीटों का संख्या बढ़ाना, नए कॉलेज खोलना, वैकल्पिक करियर विकल्पों को बढ़ावा देना, परीक्षा पैटर्न में स्थिरता लाना और सबसे महत्वपूर्ण—पारदर्शिता सुनिश्चित करना—ये सभी कदम इस दबाव को कम कर सकते हैं। फिर भी, इस पूरी तस्वीर का एक सकारात्मक पक्ष भी है। जो छात्र इस कठिन परीक्षा को पार कर लेते हैं, उनके लिए अवसर समान नहीं होते, बल्कि एक नए रूप में शुरू होते हैं। चिकित्सा क्षेत्र में आज भी संभावनाएँ व्यापक हैं—मेडिकल सहकारी सेवा है, निजी क्षेत्र है या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर। लेकिन यह भी सच है कि यह यात्रा लंबी और चुनौतीपूर्ण होती है—एमबीबीएस से लेकर पीजी और सुपर स्पेशलिटी तक। इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं है कि नीट पास करने के बाद क्या होगा, बल्कि यह भी है कि उस मुकाम तक पहुँचने की प्रक्रिया कितनी न्यायसंगत है। अंततः, नीट को केवल एक परीक्षा के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह उस विश्वास का आधार है, जिस पर लाखों युवा अपना भविष्य निर्मित करते हैं। यदि इस आधार में ही अनिश्चितता और अस्थिरता होगी, तो परिणाम केवल व्यक्तिगत असफलताएँ नहीं, बल्कि सामूहिक निराशा के रूप में सामने आएँगी।

नीट—संख्या बनाम संभावना		परीक्षार्थियों की संख्या (भारत)	
2024:	लगभग 24 लाख	2024:	लगभग 45-50 हजार
2023:	लगभग 20.8 लाख	2023:	लगभग 40 हजार
2022:	लगभग 18.7 लाख	2022:	लगभग 35 हजार
छत्तीसगढ़			
2024:	लगभग 24 लाख	एमबीबीएस	91,08,000
2023:	लगभग 20.8 लाख	बीडीएस	927,000
2022:	लगभग 18.7 लाख	बीएएमएस	952,000
		बीएचएमएस	927,000
		बीएनवायएस/अन्य	98-10 हजार
		कुल सीटें	92.2-2.3 लाख
		छत्तीसगढ़ (लगभग)	
		एमबीबीएस	91,800-2,000
		अन्य (बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, बीएनवायएस)	92,000+
		कुल	94,000-4,500 सीटें
हर 10 में से केवल 1 छात्र को सीट मिलती है, और सरकारी एमबीबीएस सीट का अनुपात इससे भी कम है।			

# किसान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

## पिथौरा विकासखंड में 12 दिवसीय विकसित कृषि संकल्प अभियान की हुई शुरुआत

जनधारा समाचार

**पिथौरा।** विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को किसान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके साथ ही खरीफ मौसम 2026 से पहले 05 मई से 20 मई तक चलने वाले 12 दिवसीय अभियान की विधिवत शुरुआत हुई। इस अभियान के माध्यम से कृषि विभाग द्वारा गांव-गांव पहुंचकर किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष ऊषा पुरुषोत्तम घृतलहर, उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल, जनपद सदस्य एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरप्रसाद पटेल, सांसद प्रतिनिधि मनमोहन छबड़ा, भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी, एसडीएम बजरंग वर्मा, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी ब्रजेश तूकाने, पी प्रसाद राव, भावेश पटेल, कमलेश दिवान, ओमेश नायक सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान किसानों को खरीफ सीजन से पहले जानकारी के साथ समन्वित कृषि प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी फसलों के उत्पादन एवं प्रबंधन के संबंध में भी किसानों को जागरूक किया जाएगा। रथ में ऑडियो-वीडियो माध्यम से



कृषि विभाग के अनुसार किसान रथ के माध्यम से किसानों को फसल चक्र परिवर्तन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, उन्नत बीज एवं आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, जल संरक्षण एवं सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के साथ समन्वित कृषि प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी फसलों के उत्पादन एवं प्रबंधन के संबंध में भी किसानों को जागरूक किया जाएगा। रथ में ऑडियो-वीडियो माध्यम से

सरल भाषा में प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है, जिससे किसान आसानी से नई तकनीकों को समझकर अपने खेतों में लागू कर सकें। अभियान के दौरान किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और किसान क्रेडिट कार्ड प्रमुख हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन योजनाओं का लाभ लेकर किसान अपनी खेती को अधिक लाभकारी बना सकते हैं और आर्थिक

रूप से मजबूत हो सकते हैं। किसान रथ तय कार्यक्रम के अनुसार 5 मई को पिथौरा विकासखंड के ग्राम घोघरा और धनौरा, 6 मई को सेवैयाकला और लोहारकोट, 7 मई को बल्दीडीह और बडेतेमरी, 8 मई को राजपुर और खुसीपार, 11 मई को बरेकले खुर्द और झूमरपाली, 12 मई को कोकोभाटा और भिथिडीह, 13 मई को गोपालपुर और गडबेड़ा, 14 मई को जंघोरा और नयापार कला, 15 मई को भुकोनी और कोल्दा, 18 मई को छोटे लोरम और बगारदहा, 19 मई को जबलपुर पिरदा तथा 20 मई को पथरला और भास्करपाली में पहुंचेगा। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि किसान रथ के माध्यम से अब किसानों को नई तकनीकों और योजनाओं की जानकारी उनके गांव में ही मिल सकेगी, जिससे उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे समय और संसाधनों की बचत होगी तथा खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सकेगा। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान किसानों को आधुनिक खेती की दिशा में आगे बढ़ने, उनकी आय में वृद्धि करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही यह पहल क्षेत्र में कृषि विकास को नई गति देने का कार्य करेगी।

# स्वास्थ्य सेवाओं का नया सवेरा लाइफ केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का भव्य शिलान्यास

जनधारा समाचार

**सूरजपुर मानपुर।** छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के मानपुर क्षेत्र में चिकित्सा के क्षेत्र में एक नया मील का पथर स्थापित होने जा रहा है। आधुनिक सुविधाओं से लैस लाइफ केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का संग-ए-बुनियाद (शिलान्यास) आज 4 मई 2026 को संपन्न हुआ जा रहा है।

## सैयद अमीनुल कादरी साहब के हाथों होगा हुआ शिलान्यास

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इस भव्य प्रोजेक्ट का शिलान्यास खतीबे अहले सुन्नत, अलहाज आले रसूल, हजरत अल्लामा व मौलाना सैयद अमीनुल कादरी साहब किबला (मालगाँव, महाराष्ट्र) के मुबारक हाथों से किया गया। उनकी उपस्थिति को लेकर स्थानीय नागरिकों और समाज में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

## एक ही छत के नीचे मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएँ

लाइफ केयर हॉस्पिटल शहरवासियों को बेहतर नीलाज और



आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने के संकल्प के साथ शुरु किया जा रहा है। अस्पताल में प्रमुख सेवाएँ 24 / 7 इमरजेंसी के तौर पर उपलब्ध होंगी। ओपीडी और आईपीडी सेवाएँ आधुनिक लैब और फार्मैसी, रडियोलॉजी और ब्लड बैंक की सुविधा, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम की एंक्टिविटी। अस्पताल प्रबंधन ने सभी नगरवासियों से इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने की दिली गुजारिश की थी जिसके तहत शहरवासियों रिश्तेदारों व अस्पताल की टीम इस ऐतिहासिक पल के साक्षी हैं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि हमारा उद्देश्य केवल



अस्पताल बनाना नहीं, बल्कि सूरजपुर के हर नागरिक तक बेहतर और किफायती स्वास्थ्य सेवा पहुँचाना है। यह अस्पताल आधुनिक तकनीक और मानवीय संवेदनाओं का संगम होगा। बेहतर नीलाज, बेहतर सुविधा, आधुनिक तकनीक और मानवीय संवेदनाओं का संगम के लिए सदैव वचनबद्ध अब आपके शहर में।

# ऑपरेशन मुस्कान एवं तलाश में 39 गुमशुदा व्यक्तियों की दस्तयाबी, पुलिस की बड़ी सफलता

जनधारा समाचार

**कोरिया।** जिला कोरिया पुलिस द्वारा गुमशुदा व्यक्तियों की खोज एवं सुरक्षित वापसी हेतु माह अप्रैल 2026 में विशेष अभियान ऑपरेशन मुस्कान एवं तलाश चलाया गया, जिसके अंतर्गत उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। इस अभियान के दौरान वर्ष 2000 से अप्रैल 2026 तक कुल 39 गुमशुदा व्यक्तियों को दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। इनमें 9 नाबालिग बालिकाएँ, 10 पुरुष एवं 20 महिलाएँ शामिल हैं। इस सफलता से लंबे समय से अपने घरों की तलाश कर रहे अभियान को राहत एवं खुशी मिली है। पुलिस द्वारा संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ प्रत्येक प्रकरण में गंभीरता से कार्यवाही की गई।

भी गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश की। थाना बैकुण्ठपुर क्षेत्र के मामलों में एक नाबालिग बालिका एवं एक महिला को मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले से दस्तयाब किया गया। वहीं थाना चरचा क्षेत्र के प्रकरणों में एक बालिका को तमिलनाडु तथा एक युवती को झारखंड से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुरक्षित बगमद किया गया। इसके अतिरिक्त थाना चरचा क्षेत्र के एक अन्य मामले में एक महिला को हरियाणा राज्य से भी दस्तयाब करने में सफलता मिली। इसी क्रम में थाना सोनहत क्षेत्र के एक प्रकरण में एक महिला को महाराष्ट्र के पुणे जिले से खोजकर वापस लाया गया। इन सभी मामलों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित करते हुए आधुनिक तकनीकी साधनों एवं

सतत प्रयासों के माध्यम से गुमशुदा व्यक्तियों का पता लगाया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा लगातार फील्ड विजिट, संदिग्ध स्थानों की जांच एवं आवश्यक पूछताछ की गई, जिससे सफलता सुनिश्चित हुई। जिला पुलिस कोरिया द्वारा संचालित यह अभियान न केवल गुमशुदा व्यक्तियों की खोज में प्रभावी सिद्ध हुआ है, बल्कि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास को भी मजबूत करता है। पुलिस अधीक्षक कोरिया के मार्गदर्शन में समस्त थाना एवं चौकी स्तर पर सक्रियता के साथ कार्य किया गया। जिला पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति के गुम होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाना में सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्यवाही कर गुमशुदा व्यक्तियों को सुरक्षित वापस लाया जा सके।

## बस स्टैंड में नवग्रह देव मंदिर प्रतिष्ठा का 3 दिवसीय समारोह का आयोजन आज से

**सरायपाली।** नगर के बस स्टैंड स्थित मंदिर में नवग्रह देव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का तीन दिवसीय समारोह का आयोजन आज 6 मई से प्रारंभ हो रहा है जो 8 मई तक चलेगा। इस संबंध में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आयोजनकर्ता मां कात्यायनी सेवा समिति के संरक्षक राजेंद्र कुमार दास ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर के बस स्टैंड हनुमान देव मंदिर में नवग्रह मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का 3 दिवसीय धार्मिक आयोजन कल 6 से 8 मई तक आयोजन किया जा रहा है। 6 बुधवार को कलश यात्रा एवं कलश स्थापना किया जायेगा। दिनांक 07.05.2026 गुरुवार को सर्व देव आवाहन एवं



अधिवास तथा दिनांक 08.05.2026 शुक्रवार को प्राण प्रतिष्ठा के साथ मूर्ति स्थापना के साथ ही पुर्णार्हुति का आयोजन होगा। कार्यक्रम समाप्ति के बाद मंदिर परिसर में ही दोपहर 01 बजे से भंडारा का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति के संरक्षक व अधिवक्ता राजेंद्र कुमार दास ने बताया कि उक्त प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन वैदिक शिव प्रसाद शुक्ला के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। समिति ने सभी धर्म प्रेमियों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का अनुरोध किया है।

# बंगाल में राष्ट्रवाद का शंखनाद: विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने दी ऐतिहासिक विजय की बधाई

जनधारा समाचार

**बसना।** पश्चिम बंगाल और असम के चुनावी महासंग्राम में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक और गगनभेदी विजय पर हर्ष व्यक्त करते हुए बसना के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि दिल गर्व से भर गया है। विधायक डॉ. अग्रवाल ने इस गौरवशाली सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अग्रणी नितिन नवीन के मार्गदर्शन को देते हुए उन्हें बधाई दी है। उन्होंने रेखांकित किया कि यह विजय कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। इस अवसर पर उन्होंने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहाँ के नागरिकों ने राष्ट्रवाद और विकास की रागनीति को चुनकर एक नया इतिहास रचा है। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने वीर



रस से ओत-प्रोत अंदाज में बंगाल की जनता और शीर्ष नेतृत्व का अभिनंदन किया है। विधायक डॉ. अग्रवाल ने इस जीत को सत्य की असत्य पर विजय और विकास की विनाश पर जीत करार दिया है। विधायक डॉ. अग्रवाल ने अपने कड़क संदेश में कहा कि बंगाल की वीर भूमि ने अब भय और भ्रष्टाचार की बैड़ियों को काटकर फेंक दिया है। उन्होंने

आगे कहा कि यह विजय उस संकल्प की सिद्धि है जो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देखा था। बंगाल की माँ-माटी-मानुष ने आज राष्ट्रविरोधी ताकतों को सबक सिखाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासवाद पर अटूट विश्वास की मुहर लगाई है। अराजकता का पर्याय बन चुकी शक्तियों को जनता ने अर्श से फर्श पर लाकर पटक दिया है। असम में भाजपा की प्रचंड हैटिक पर विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि पूर्वोत्तर की जनता ने यह साबित कर दिया है कि प्रगति का मार्ग केवल भाजपा के पास है। उन्होंने युवाओं के जोश को स्लाम करते हुए कहा कि आज का युवा केवल सुशासन और विश्वसनीयता की रागनीति का साथी है। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि यह जीत करोड़ों कार्यकर्ताओं के दशकों के धैर्य, परिश्रम और लहू-पसीने का प्रतिफल है। अब बंगाल सोनार बांग्ला बनने की राह पर अग्रसर है और वंदे मातरम का यह जयघोष पूरे देश में गूँज रहा है।

# तहसील कार्यालय में लगी आग: इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खाक, महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित

सुरजपुर।

जिला मुख्यालय के तहसील कार्यालय से आगजनी की घटना सामने आई है। तहसीलदार के कक्ष में लगी इस आग से एक बड़ा हदसा होने से टल गया और राहत की बात यह रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, आग लगने की घटना तहसीलदार के दफ्तर में हुई। आग कैसे लगी इसका कोई अंदाजा नहीं। इस आगजनी में कार्यालय को काफी नुकसान पहुँचा है। जानकारी के अनुसार दफ्तर में रखे कंप्यूटर, प्रिंटर, एयर कंडीशनर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गए हैं। प्रशासन के लिए सबसे बड़ी राहत की खबर यह है कि कार्यालय के महत्वपूर्ण राजस्व और



शासकीय दस्तावेज पूरी तरह सुरक्षित हैं। फिलहाल आग लगने का सटीक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है पर आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से यह हादसा हुआ होगा। सरकारी कार्यालय में हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और बिजली के पुराने वायरों के रखरखाव पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। जबकि तहसील दफ्तर के लगा कोषालय है।

# रिशतों का कत्ल, कलयुगी दादा ने मासूम पोती की अस्मत् से किया खिलवाड़, मानवता शर्मसार

जनधारा समाचार

**सूरजपुर/भटगांवा।** खून के रिशतों को कलंकित करने वाली एक ऐसी रूढ़ कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने समाज के माथे पर कलंक लगा दिया है। जिले के भटगांवा थाना क्षेत्र में एक 9 वर्षीय मासूम बच्ची अपनी ही सुरक्षा के सबसे भरोसेमंद स्तंभ यानी अपने दादा की हवस का शिकार बन गईं जिस शक्क को पोती का ढाल होना था, वही दरिंद बन बैठा।



## पुलिस की कार्रवाई और आरोपी की तलाश

मामले की गंभीरता को देखते हुए भटगांवा पुलिस ने तत्काल हरकत में आते हुए आरोपी के खिलाफ दुकर्म और पारको एक्ट जैसी संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना अत्यंत निर्दानीय है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम में गठित की गई है। अपराधी को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

## फरार आरोपी के लिए बिछाया गया जाल

वारदात को अंजाम देने के बाद से ही आरोपी फरार है। पुलिस की टीमों संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है और जल्द से जल्द कड़ी सजा की मांग की जा रही है।

## भरोसे का हुआ बेरहमी से कत्ल

जानकारी के मुताबिक, आरोपी रिश्ते में मासूम का सगा दादा लगता है। घर की चारदीवारी के भीतर घटी इस घिनौनी घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर बेटियाँ अब कहाँ सुरक्षित हैं। जब बच्ची ने आपबीती सुनाई, तो परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई।

# अति जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा राहगीरों को शरबत व पंपलेट का वितरण किया गया

## 9 मई को लोक अदालत का किया गया प्रचार प्रसार

जनधारा समाचार

**सरायपाली।** आज नगर के झिलमिला चौक में सरायपाली के अति जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा बेहद व भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों को शरबत वितरण किया गया साथ ही न्यायालय भवन में आगामी 9 मई को आयोजित होने वाले लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु पंपलेट का भी वितरण कर अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की गई।



इस हेतु विभिन्न स्थानों पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इसके साथ ही जिले में पड़ रही भीषण व तेज गर्मी को ध्यान में रखते हुवे शुद्ध व शीतल शरबत वितरण का भी आयोजन किया गया ताकि अधिक से अधिक राहगीरों को उपकृत पहुँचाई जा सके।

इसी सिलसिले में आज तालुका विधिक सेवा समिति के विधिक कर्मचारी राकेश मिश्रा, राजकुमार व धर्मेन्द्र चौधरी द्वारा झिलमिला चौक में शरबत वितरण किया गया साथ ही राहगीरों को पम्पलेट वितरण किया गया। आम जनता व पक्षकारों को लोक अदालत पहुंचकर आपसी समझौतेवत् के तहत सुलभ न्याय का लाभ उठाने के लिए प्रेरित भी किया गया।

# भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर बसना मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य आतिशबाजी कर जश्न मनाया गया

जनधारा समाचार

**बसना।** पश्चिम बंगाल, असम एवं पांडिचेरी जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत से पूरे देश में हर्ष और उत्साह का माहौल व्याप्त है। इसी क्रम में बसना मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य ऐतिहासिक विजय पर भव्य आतिशबाजी कर उत्साहपूर्वक जश्न मनाया गया।



और सभी ने इस विजय को भारत के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इस जीत की खुशी साझा की और भारत पार्टी की जय एवं भारतीय जनता पार्टी की जिंदाबाद के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। कार्यकर्ताओं में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिला

# पद्म पुरस्कार 2027 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

- 15 जुलाई तक जिलों से अनुशंसा भेजना अनिवार्य, गुमनाम नायकों की पहचान पर जोर

**कोरिया।** छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने पद्म पुरस्कार 2027 के लिए नामांकन प्रक्रिया के पर्यवेक्षण एवं व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर सभी संभागायुक्तों को निर्देश जारी किए हैं। छत्तीसगढ़ शासन से जारी किए हैं। कहां गया है कि भारत सरकार द्वारा घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया 15 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। जारी पत्र के अनुसार, इच्छुक व्यक्तियों के नामांकन के लिए आधिकारिक पोर्टल निर्धारित किया गया है तथा नामांकन भेजने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2027 तय

की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि भारत सरकार की संशा इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों के माध्यम से समाज के उन गुमनाम और अनछुए नायकों को सामने लाता है, जो दूरस्थ वनांचल, ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में रहकर समाज सेवा, कला, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में संभागायुक्तों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए विभाग ने निर्देश दिए हैं कि वे नियमित रूप से जिला कलेक्टरों की समीक्षा बैठक लें और यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक जिले से योग्य एवं वास्तविक गुण नायकों की पहचान कर उनके नाम प्रस्तावित किए जाएं। विभाग द्वारा यह भी बताया गया है कि इस संबंध में जिला कलेक्टरों को पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

**न्यायालय तहसीलदार गंडई जिला खैरागढ़ छुईखण्ड गंडई (छ.ग.)**  
// इशतहार //  
रा.प्र.क्र. 2026/04291000015/अ-3  
साबिन-चक्रानार प.ह.नं. 07 गंडई  
सर्व साधारण को पत्रद्वारा सूचित किया जाता है, कि आवेदक कमला बाई बेवा रामसिंह निवासी सड़क पास गैंडी तहसील डीडौली लोहार जिला बालासोर राज्य ओरिसा का आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम चक्रानार प.ह.नं. 04 तहसील गंडई स्थित भूमि ख.नं. 664/4 रकबा 0.6760 हे. एवं 664/10 रकबा 0.0200 हे. भूमि आवेदक कमला बाई बेवा रामसिंह एवं भूषण पिता रामसिंह के नाम पर राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। उक्त भूमि आवेदक कॉलोनियों निर्माण करने हेतु उक्त ख.नं. को सर्विलियन किराज जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।  
अतः यह उपरोक्त ख.नं. को सर्विलियन किराज जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति या व्यक्ति को किसी भी प्रकार की दवा/अपघति हो तो न्यायालय में निवेदन पेशी दिनांक 13.05.2026 को स्वयं अथवा मार्फत अधिकृत के माध्यम से अपनी दवा/अपघति प्रस्तुत कर सकते हैं, समय पश्चात प्राप्त दवा/अपघति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।  
आज दिनांक 28.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।  
जारी दिनांक :- 28/04/2026  
पेशी दिनांक :- 13/04/2026

**न्यायालय तहसीलदार नांदघाट जिला-बेमेतरा (छ.ग.)**  
**इशतहार**  
इशतहार द्वारा आम जनता ग्राम नारायणपुर प.ह.नं. 14 रा.नि.मं. नांदघाट तहसील नांदघाट को सूचित किया जाता है कि लेख है कि कार्यपालन अधिनियम छ.ग. गृह निर्माण पंजल सभा-कवचां क्र/67/कार्य/अधि./तक.शा.सं.भागा/2025 कवचां दिनांक 12.01.2026 द्वारा राज्य प्रबन्धित "अटल विचार योजना" के क्रियान्वयन हेतु ग्राम नारायणपुर प.ह.नं. 14 रा.नि.मं. एवं तहसील नांदघाट जिला बेमेतरा स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 655/1 रकबा 15.15 हे. में से 2.00 हे. आवेदन करने मांग किया गया है।  
उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दवा आपति प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिभूषण के माध्यम से मेरे न्यायालय में पेशी दिनांक 11/05/2026 को दवा आपति प्रस्तुत कर सकते हैं।  
उपरोक्त लिखी पत्रचात प्राप्त दवा आपति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।  
आज दिनांक 29/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।  
दिनांक :- 29/04/2026

तहसीलदार नांदघाट, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

# भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा नाट्य कार्यक्रम का आयोजन



भिलाई। इस्पात संयंत्र के सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग (एसईडी) द्वारा कार्यक्रम सुरक्षा संस्कृति एवं सामुदायिक जागरूकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से व्यापक सुरक्षा नाट्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम) एवं आरटीएस) तीर्थकर दस्तौदार रहे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं मुख्य महाप्रबंधकगण सहित सेक्टर-10 स्थित बीएसपी विद्यालय के प्राचार्य एवं प्रधान अत्यापक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अतिरिक्त सेवाएं) देवदत्त सतपथी के स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सतत सुरक्षा शिक्षा एवं सक्रिय सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि तीर्थकर दस्तौदार ने सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक साझा जिम्मेदारी है, जो कार्यस्थल से आगे बढ़कर दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए।



रिफ्रेक्टरी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा प्रस्तुत सुरक्षा की देवी और दुर्घटना का बादशाह तथा इटा द्वारा प्रस्तुत सतर्कता ही बचाव है ने प्रभावी ढंग से यह दर्शाया कि लापरवाही एवं असुरक्षित व्यवहार दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं, जबकि सतर्कता एवं सुरक्षा मानकों का पालन जोखिमों को काफी हद तक कम कर सकता है। इस कार्यक्रम में रचनात्मक स्किट प्रस्तुतियों के साथ-साथ सेफ्टी क्रिज प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों, सविदा कर्मियों एवं विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं ज्ञानवर्धक माध्यमों के जरिए सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना रहा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक आयाम जोड़ते हुए सेफ्टी जागरूकता गीत सेल के कर्मचारियों, सुरक्षित कार्य करो की प्रस्तुति रमेश कुमार (एसईडी) द्वारा दी गई, जिसने प्रतिभागियों को सुरक्षा को अपनी कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर दिनांक 17 अप्रैल 2026 को सेक्टर-10 बीएसपी विद्यालय में आयोजित सेफ्टी क्रिज प्रतियोगिता (कक्षा 9 एवं 10) के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सातवां पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सुरक्षा विषयक ज्ञान आधारित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञान महाप्रबंधक प्रभारी (एसईडी) एस. के. अग्रवाल द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कलाकारों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समन्वयन सहायक महाप्रबंधक (एसईडी) अजय टल्लू ने किया।

# विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव बहुमत से पारित किया गया

जामुल। नगर पालिका परिषद जामुल की विशेष सभा बैठक सोमवार (4 मई 2026) को परिषद कार्यालय के सभागार में आयोजित हुई। बैठक में 'नारी शक्ति वंदन' से जुड़े प्रस्तावित महत्वपूर्ण संशोधनों के लोकसभा में पारित न हो पाने पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए निंदा प्रस्ताव बहुमत से पारित किया गया। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि प्रस्तावित संशोधन संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता था। परिषद ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों-विशेषकर इंडिया गठबंधन-ने इस पहल का विरोध कर इसे अवरुद्ध किया, जिससे देश की आधी आबादी के अधिकार प्रभावित हुए। प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया कि महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर निर्णय लिया जाना चाहिए था, लेकिन संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी गई। परिषद ने इसे महिलाओं के साथ अन्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतिकूल बताया। नगर पालिका परिषद ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया कि इस मुद्दे को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाया जाएगा और महिलाओं की सशक्त राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। जब तक महिलाओं को नीति-निर्माण में उनका संवैधानिक अधिकार नहीं मिलता, तब तक इस विषय पर विरोध और निंदा जारी रखने की बात कही गई। बैठक में कुल 15 सदस्य उपस्थित रहे। निंदा प्रस्ताव के पक्ष में 11 सदस्यों ने मतदान किया, जबकि 4 सदस्यों ने विरोध में मत दिया। इस प्रकार प्रस्ताव बहुमत से पारित हुआ। बैठक की कार्यवाही मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर की उपस्थिति में संपन्न हुई, जबकि परिषद अध्यक्ष ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर इसकी पुष्टि की।



## नगर पालिका परिषद जामुल में शिविर का आयोजन

जामुल। शासन के निर्देशानुसार सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत नगर पालिका परिषद जामुल में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 08.05.2026 दिन शुक्रवार को हाई स्कूल डोम शोड में वार्ड 01, 02, 03, 04 एवं 06 के आम नागरिकों के समस्या के समाधान के लिए शिविर लगाया जायेगा। दिनांक 14.05.2026 दिन गुरुवार को प्राथमिक शाला रावण भाटा वार्ड क्र. 09 में वार्ड क्र. 05, 07, 09 एवं 10 के लिए, दिनांक 19.05.2026 दिन मंगलवार एसीसी मंगल भवन वार्ड क्र. 13 में वार्ड क्र. 08, 11, 12, 13, 14 एवं 15 के नागरिकों लिए, दिनांक 26.05.2026 दिन सोमवार को मंगल भवन शिवपुरी वार्ड क्र. 16 में वार्ड क्र. 16, 17 एवं 18 के नागरिकों के लिए, दिनांक 01.06.2026 दिन सोमवार को सांस्कृतिक भवन बाजार चौक सुरकुड़ा में वार्ड क्र. 19, 20 के नागरिक अपनी समस्या, शिक्षा, मांग रख सकते हैं।

## धोखाधड़ी नेटवर्क का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

भिलाई। नेवई थाना क्षेत्र में पुलिस ने फर्जी सिम कार्ड के जरिए चल रहे संगठित धोखाधड़ी नेटवर्क का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह लोगों के नाम पर सिम कार्ड लेकर उन्हें कमीशन के आधार पर आगे बेचता था और इनका उपयोग अवैध आर्थिक लेन-देन में किया जाता था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रिसाली बस्ती निवासी 19 वर्षीय युवक आयुष ताम्रकार ने शिक्षायात दर्ज कराई थी कि उसके परिचित ने विश्वास में लेकर उसके नाम से सिम कार्ड जारी कराया और उसे वापस नहीं किया। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी टी. भार्गव राव युवक को मोबाइल दुकान ले गया और उसके नाम पर सिम निकलवाकर खुद रख लिया। इसके बाद उस सिम को क्रमवार अधिक कीमत पर अन्य आरोपियों को बेच दिया गया। इस तरह एक पूरा नेटवर्क तैयार कर सिम कार्ड के जरिए अवैध ट्रांजेक्शन किए जा रहे थे। मामले में अपराध क्रमांक 277/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 318(5) के अंतर्गत केस दर्ज किया गया। पुलिस ने तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए टी. भार्गव राव, ज्ञानेश मंडवी, हर्षित साहू और दीपक प्रजापति को गिरफ्तार किया।



जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में हैंड्स-ओनली सीपीआर प्रशिक्षण का सफल आयोजन

## जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में हैंड्स-ओनली सीपीआर प्रशिक्षण का सफल आयोजन

भिलाई। इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएचआरसी) में आमजन में जीवनरक्षक कौशल विकसित करने तथा आपातकालीन स्थितियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विगत दिनों में हैंड्स-ओनली सीपीआर (सीपीआर) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सातवां सफल सत्र आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर एवं डॉ. उदय कुमार का सहयोग भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को हैंड्स-ओनली सीपीआर की सही तकनीक से प्रशिक्षित करना था, ताकि हृदयाघात (कार्डियक अरेस्ट) की स्थिति में चिकित्सकीय सहायता पहुंचने से पूर्व प्रभावी प्राथमिक सहायता प्रदान की जा सके। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को लाइव डेमो एवं व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से सीपीआर की प्रक्रिया सिखाई गई। इसमें प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, त्वरित सहायता के लिए संपर्क करना तथा निरंतर छत्ती दबाव (चेस्ट कम्प्रेसन) के महत्व पर विशेष बल दिया गया, जिससे जीवन रक्षा की संभावनाओं को बढ़ाया जा सके। एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. तनुजा, डॉ. निलेश तथा डीएनबी प्रशिक्षु डॉ. तीर्थ एवं डॉ. समर्थ द्वारा प्रशिक्षण का संचालन किया गया तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान किया गया। यह पहल जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय की सामुदायिक स्वास्थ्य, आपातकालीन तैयारी एवं निवारक स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि संस्थान द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक माह के प्रथम कार्यदिवस पर नियमित रूप से किया जाता है, जिससे अधिक से अधिक लोगों को जीवनरक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।



## बंगाल में बदलाव की लहर: जनता ने जताया असंतोष: रामू रोहरा

धमतरी। नगर निगम महापौर रामू रोहरा ने पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों के रद्द होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह परिणाम ऐतिहासिक साबित होंगे। उन्होंने कहा कि बंगाल के राजनीतिक इतिहास में पहली बार भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट रूप से सरकार बनाती हुई नजर आ रही है, जो राज्य की राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने दीदी को सबक सिखा दिया। महापौर रोहरा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने इस बार परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से एक ही विचारधारा और नेतृत्व के तहत चल रही सरकार के प्रति जनता में असंतोष था, जिसका परिणाम अब रद्द होने में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जनता ने विकास, पारदर्शिता, सुरक्षा और बेहतर प्रशासन को प्राथमिकता दी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं-जैसे गरीब कल्याण, आवास, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों-का प्रभाव



पुरे देश के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिला है। इन्हीं योजनाओं और नीतियों से प्रभावित होकर जनता ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। महापौर ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में उद्योग, रोजगार, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार होगा और निवेश का माहौल बनेगा, जिससे युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे। रामू रोहरा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को इस सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि यह उनकी लगातार मेहनत, जनसंपर्क और संगठन की मजबूती का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों को पहुंचाया। अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल विकास और सुशासन के नए दौर में प्रवेश करेगा तथा राज्य देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बनाएगा।

## घोटमर्ग उपकेंद्र में लगा 05 एमवीए का ट्रांसफार्मर, 11 गांवों की विद्युत सुविधा हुई बेहतर

लगभग 2400 से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगी पर्याप्त वोल्टेज के साथ निर्बाध बिजली

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में निरंतर महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं। इसी तारतम्य में कार्यपालक निदेशक, दुर्ग क्षेत्र संजय खंडेलवाल के कुशल मार्गदर्शन एवं अधीक्षण अभियंता, दुर्ग वृत्त आर.के.मिश्रा के नेतृत्व में साजा संभाग के देवरबीजा वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले 33/11 केवी घोटमर्ग उपकेंद्र की क्षमता बढ़ाने का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। भीषण गर्मी और बिजली की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए विभाग ने यहाँ पुराने 3.15 एमवीए ट्रांसफार्मर को बदलकर 05 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जाकृत (चार्ज) कर दिया है। इस क्षमता वृद्धि से देवरबीजा क्षेत्र के 11 प्रमुख गांवों, ग्राम घोटमर्ग, हड़गाव, भेड़नी, चोटमर्ग, केछवाई, कर्कई, हाड़ाहुली, कातुलबोड, मोतेसरा, रोड और डरजरा के लगभग 2410 घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। लंबे समय से मांग कर रहे किसानों एवं उपभोक्ताओं के लिए उक्त ग्रामों में अब विद्युत व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। इस कार्य के बाद क्षेत्र में ना केवल वोल्टेज की समस्या दूर होगी, बल्कि खेती-किसानी और घरेलू उपयोग के लिए भी पर्याप्त विद्युत सुविधा उपलब्ध रहेगी। सफलतापूर्वक संपन्न हुए इस कार्य के दौरान विभागीय तालमेल और तकनीकी दक्षता देखने को मिली। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता एस.के. राय एवं एम.के. शुक्ला, सहायक अभियंता सी.एल. वर्मा, जी.पी. बंजारे और कनिष्ठ अभियंता अभिषेक राठी सहित तकनीकी स्टाफ की विशेष उपस्थिति रही। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षमता वृद्धि के बाद अब भीषण गर्मी के मौसम में भी इस क्षेत्र में बढ़ते हुए लोड को अस्थानी से प्रबंधित किया जा सकेगा, जिससे उपभोक्ताओं को बिजली ट्रिपिंग जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।



## तबलीगी जमात के अमीर को आखिरी विदाई देने

● छत्तीसगढ़ से हजारों की तादाद में पहुंचे अकीतदमद

भिलाई। छत्तीसगढ़ और नागपुर विदर्भ क्षेत्र में तबलीगी जमात के अमीर हाजी मोहम्मद असलम का शनिवार 2 मई को तड़के दो बजे इंतकाल हो गया। हाजी असलम कई दिनों से बीमार चल रहे थे। खुर्सीपर निवासी सैय्यद असलम ने बताया कि मरहूम हाजी मोहम्मद असलम के जनाजे की नमाज यंग मुस्लिम फुटबॉल ग्राउंड मोमिनपुरा नागपुर में उनके बेटे मौलाना अदुल्ला ने पढ़ाई। नमाजे जनाजा में निजामुद्दीन मरकज दिल्ली, बगर, महाराष्ट्र, विदर्भ और छत्तीसगढ़ के उमेमा के साथ आम लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के मुस्लिम समाज के लोगों ने हजारों की तादाद में नागपुर पहुंच कर अपनी अकीतदत का इजहार किया।



गौरतलब है कि तबलीगी जमात में आध्यात्मिक स्तर पर संगठन प्रमुख च्चमीरज का पद मशरिफ से तय होता है। हाजी मोहम्मद असलम नागपुर के रहने वाले थे और तबलीगी के काम को लेकर छत्तीसगढ़ बगर, महाराष्ट्र सहित देश विदेश में सक्रिय थे। उन्होंने बताया कि हाजी मोहम्मद असलम ने अल्लाह के दिन और हज़रत मोहम्मद सल्लु अलैहिस्सलाम की पाकीजा जिंदगी को अपनाने लोगों की सच्ची रहनुमाई की। समाज के लिए उनका दुनिया से जाना एक रहनुमा एक सच्चा दाई (प्रेरक व्यक्तित्व) और बुजुर्ग शिष्यवत का चला जाना है।

## नागदेव मंदिर के पास कला मंच में सुशासन तिहार शिविर का शुभारंभ

धमतरी। प्रदेश सरकार के सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज से नगर में जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन प्रारंभ हो गया है। इसी कड़ी में नागदेव मंदिर के पास स्थित कला मंच में एक व्यापक शिविर लगाया गया, जिसमें हटकेशर वार्ड, लाल बुगीचा वार्ड, शौलला पार वार्ड एवं सुभाष नगर वार्ड के नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए विशेष व्यवस्था की गई। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहकर आम जनता की शिकायतें एवं मांगों को गंभीरता से सुन रहे हैं तथा त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है, जिससे वे अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ उठा सकें। शिविर का निरीक्षण करने महापौर रामू रोहरा पहुंचे, जहाँ उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा



लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं भी सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान तेजी और पारदर्शिता के साथ किया जा सके। इस प्रकार के शिविरों से नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती और उन्हें एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हो जाती हैं। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने अपनी समस्याएं दर्ज कराईं और शासन की इस पहल की सराहना की। नागरिकों द्वारा आगे भी विभिन्न वार्डों में इस तरह के शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिससे हर नागरिक तक सुशासन का लाभ पहुंच सके।



## शादी में गया परिवार, सूने घर से 30-40 लाख के जेवर और नकदी पार

● भिलाई में बड़ी चोरी

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र के नेहरू नगर पश्चिम की एक पॉश कॉलोनी में सोमवार को दिनदहाड़े से देर रात के बीच बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये की नकदी और भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरों पर हाथ साफ कर दिया। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। घटनास्थल और आसपास के घरों में सीसीटीवी कैमरे नहीं होने के कारण पुलिस को जांच में कठिनाई आ रही है। फिलहाल आसपास के मार्गों, सड़िध लोगों और गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ अधिकारी, विशेष टीम गठित। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। वरिष्ठ अधिकारियों-विजय अग्रवाल, सुखनंदन ठाकुर, सत्य प्रकाश तिवारी, यदुमणि सिदार, टीआई राविका साहू और विजय यादव ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया है, जो हर पहलू से जांच कर रही है। गश्त बढ़ाई गई। पुलिस ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और सड़िधों पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

## कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला गरियाबंद (छ.ग.)

क्रमांक/सी.एस.एस.सी.एल.दु.नि./2026/317 गरियाबंद, दिनांक 30/04/2026

जिले की देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान बासीन हेतु ग्राम बसुनान में भवन/परिसर किराये पर लेने हेतु लघु निविदा सूचना

कार्यालय छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा जिला गरियाबंद की देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान बासीन हेतु ग्राम बसुनान में भवन/परिसर भाड़े पर लिये जाने हेतु इच्छुक निविदाकारों से बंद लिफाफे में निविदाएं (तकनीकी बिड/प्राइज बिड पृथक-पृथक) दिनांक 11.05.2026 को दोपहर 2:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी में आमंत्रित की जाती है। सीलबंद लिफाफा में प्राप्त निविदाएं उपस्थित निविदाकारों प्रतिनिधियों के समक्ष दिनांक 11.05.2026 को समय 04:00 बजे समिति द्वारा खोली जावेगी। निविदा की विस्तृत शर्तें/नियम निविदा प्रपत्र आदि की जानकारी अवकाश दिवसों को छोड़कर निविदा प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के एक दिवस पूर्व तक कार्यालयीन समय पर कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी गरियाबंद सह जिला प्रबंधक छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड जिला गरियाबंद से रूपये 1000/- (एक हजार रुपये मात्र) के बैंक ड्राफ्ट जमा प्रबंधक सी.एस.एस.सी.एल. के नाम से जमा कर प्राप्त की जा सकेगी।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला - गरियाबंद

इस वृक्ष को पसंद है हीट वेव और बंजर धरती

**जनधारा समाचार**  
**भाटापारा।** खैर को पसंद है हीट वेव। खूब धाती है बंजर धरती। अनियमित बारिश वाले क्षेत्रों के लिए तो वरदान है यह वृक्ष। पौधारोपण के लिए बन रही सूची में खैर का भी नाम शामिल करने का प्रयास इसलिए वानिकी वैज्ञानिक कर रहे हैं क्योंकि शुष्क क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाती है यह प्रजाति।  
शुष्क और अर्ध शुष्क क्षेत्र के लिए बहुउद्देशीय गुणों वाला खैर अब एक बार फिर से वानिकी वैज्ञानिकों का ध्यान खींच रहा है क्योंकि खैर बदलते जलवायु परिवर्तन के बीच बढ़ते हीट वेव के दिन और बढ़ती अनियमित बारिश जैसी स्थितियों के बीच बेहतर परिणाम देने में सक्षम है। छत्तीसगढ़ के लिए अहम इसलिए माना जा रहा है क्योंकि प्रदेश में तेज धूप, तीव्र गर्मी, अनियमित बारिश और भूमि क्षरण जैसी स्थितियाँ अब स्थाई बन चुकी हैं।



औषधि नि मा ण।

इंकाइयां भी करती हैं जो पेचिश, दांत, मसूड़े और त्वचा रोग खत्म करने वाली दवाइयां बनाती हैं।

पसंद है हीट वेव और बंजर धरती

45 डिग्री सेल्सियस तापमान और लगातार हीट वेव जैसे मौसम में जोड़कर बढ़ाकर लेता है खैर। 800 से 1200 मिमी बारिश जैसी वर्षा इसे चाहिए। बंजर धरती इस प्रजाति को इसलिए पसंद है क्योंकि फैलाव के लिए भरपूर जगह मिलती है। यही गुण इसे मैदानी क्षेत्रों तक पहुंचाने वाले माने जा रहे हैं

क्योंकि प्रदेश में ऐसे क्षेत्र अब तेजी से विस्तार ले रहे हैं।

बढ़ाता है हरित आवरण

800 से 1200 मिमी बारिश और 45 डिग्री सेल्सियस तापमान सहनशील खैर ऐसे मैदानी क्षेत्र के लिए भी विशेष तौर पर उपयोगी माना जा रहा है, जहां हरियाली तेजी से घट रही है और नए वन तैयार करने में कठिनाई आ रही है। खैर का वृक्ष ऐसे क्षेत्र के लिए विशेष रूप से उपयोगी माना जा रहा है,

जहां खेती जोखिम पूर्ण रही है।

है आर्थिक महत्व

खैर की लकड़ी से कच्चा बनाया जाता है। जिसका उपयोग पान मसाला कारोबारी करते हैं। छाल में होता है टैनिन, जो चमड़ा उद्योग में उपयोग किया जाता है। बेहद कठोर होती है इसकी लकड़ी। इसलिए कृषि उपकरण और फर्नीचर बनाने वाली इंकाइयां अच्छी कीमत देकर खैर की लकड़ियां खरीदती हैं। इसके अलावा छाल की खरीदी ऐसी

मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा द्वारा राम मंदिर में राहगीरों के लिए वाटर कूलर का शुभारंभ

**जनधारा समाचार**  
**सरायपाली।** नगर व क्षेत्र में लगातार भीषण व तेज गर्मी को देखते हुए नगर में राहगीरों व आमजनता को पेयजल की समस्याओं को देखते मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा सरायपाली द्वारा राहगीरों, आमजन एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल श्री राम हनुमान मंदिर परिसर में शीतल पेयजल हेतु वाटर कूलर स्थापित किया गया है। इस पहल से मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों को गर्मी से राहत मिलेगी तथा उन्हें ठंडा पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा वहीं यह सुविधा अब 24 घंटों के साथ ही 12 महीनों उपलब्ध होगा।



इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अजय अग्रवाल, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर किया गया, तत्पश्चात् प्रसाद वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जागृति शाखा की सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और इस सामाजिक सेवा कार्य में अपना योगदान दिया। शाखा द्वारा किए गए

माध्यम से नगर व सार्वजनिक स्थलों में शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर के मध्य में इस वाटर कूलर के स्थापित हो जाने से निश्चित तौर पर राहगीरों व नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अजय अग्रवाल, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर किया गया, तत्पश्चात् प्रसाद वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जागृति शाखा की सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और इस सामाजिक सेवा कार्य में अपना योगदान दिया। शाखा द्वारा किए गए

कक्षा 5 वीं सेजस की होनहार छात्रा हुमैरा 94फीसदी अंक अर्जित कर रही प्रथम स्थान पर

गंडई पंडरिया। पीएम श्री आत्मानंद अंजीजी माध्यम स्कूल की मेधावी छात्रा हुमैरा नियाजी पिता शकील अहमद ने बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने कक्षा 5 वीं में 94 फीसदी अंक अर्जित कर अपनी शाला में प्रथम स्थान व केसीजी जिले में 9 वें स्थान में आकर इतिहास रच दिया है। जो कि बहुत बड़ी उपलब्धि है। आत्मानंद स्कूल की होनहार छात्रा ने अपनी इस उपलब्धि का पहला श्रेय हेमंत साहू को दिया है। छात्रा ने कहा कि मेरे गुरु जनों ने मुझे हर विषयों को आसानी से पढ़ाया और समझाया है। स्कूल का समय खत्म होने के पश्चात मेरी माता शासकीय कर्मचारी होने के बावजूद अपनी अनेक व्यस्तताओं के बाद भी मुझे गाईड लाइन दी मुझे पढ़ाया। और घर पर ही मुझे रिवीजन

कराया। नतीजतन आज मुझे यह कामयाबी प्राप्त हुई।  
**डॉक्टर बनकर हर जरूरतमंदों की सेवा ही एक मात्र लक्ष्य - हुमैरा :** छात्रा ने कहा कि मैं एक सफल डॉक्टर बनकर हर जरूरतमंद लोगों की सेवा करके उनका जीवन बचना चाहती हूँ और यही मेरा सपना और एकमात्र लक्ष्य है। आगे हुमैरा ने कहा कि पढ़ाई हमेशा ईमानदारी और एक निश्चित लक्ष्य बनाकर करने पर 100 फीसदी सफलता प्राप्त होती है। बहरहाल हुमैरा की इस बड़ी सफलता पर उनकी नानी, माता-पिता, मामा व अन्य परिजनों सहित शुभचिंतकों, नगर वासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।



माता-पिता से बेहतर काउंसलर कोई नहीं, अपने बच्चों को दें पूरा समय: जैन

**जनधारा समाचार**  
भिलाई। टाइगर कैपिटल के सहयोग से इंडिया खेलो फुटबॉल (आईकेएफ) के सीज़न-6 के ट्रायल के दौरान वरिष्ठ पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन ने पालकों और उपरते फुटबॉलरों से संवाद किया। उन्होंने वर्तमान समय में बच्चों की परवरिश में सामने आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए पालकों को कुछ सुझाव भी दिए। उल्लेखनीय है कि यहाँ 2 और 3 मई 4 अलग-अलग सत्रों में सेक्टर-2 के फुटबॉल ग्राउंड में ट्रायल रखा गया था। जिसमें 200 से ज्यादा उपरते फुटबॉलरों ने अपने खेल का प्रदर्शन किया।  
ट्रायल के आखिरी दौर के बाद 3 मई की शाम पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन का संवाद सत्र रखा गया। उन्होंने इस दौरान समाज में खास तौर पर बच्चों के बीच बढ़ते स्क्रिन टाइम और डिजिटल दुनिया में बढ़ती निर्भरता को बड़ी चुनौती बताया।

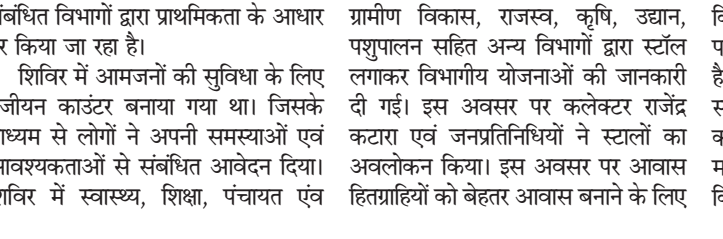
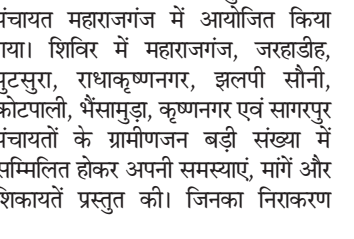
उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि आज स्मार्ट फोन की लत के चलते मैदान के बजाए डिजिटल दुनिया में खेल खेला जा रहा है, जो हमारी शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों को सलाह दी कि दूसरों को भी खेल के लिए प्रेरित करें।  
जैन ने पालकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को समय दें और उन्हें सुनने की कोशिश करें। क्योंकि किसी भी बच्चे के लिए माता-पिता से बेहतर काउंसलर कोई नहीं होता। जिस तरह किसी भी पौधे की शुरूआती अवस्था में सुरक्षा के लिए उसके चारों तरफ से घेरा लगाना जरूरी होता है, ठीक उसी तरह बच्चों को भी एक उम्र तक पैरेंट्स की जरूरत पड़ती है। इसलिए अपने बच्चों को भरपूर समय दें और उनके खानपान के साथ नैद पर भी ध्यान दें। इस दौरान कुछ पालकों और बच्चों ने सवाल पूछ कर अपनी जिज्ञासा भी शांत की।

बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण, शिविर का लिया लाभ महाराजगंज से जन समस्या निवारण शिविर की हुई शुरुआत

● **स्टॉल के माध्यम से मिली विभिन्न योजनाओं की जानकारी**  
● **स्वास्थ्य जांच का मिला लाभ**  
**बलरामपुर।** सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने और शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ आंखें खोल कर सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जिले का आज पहला जनसमस्या निवारण शिविर विकासखंड बलरामपुर के ग्राम पंचायत महाराजगंज में आयोजित किया गया। शिविर में महाराजगंज, जहाडीह, पुटसुरा, राधाकृष्णनगर, झलपी सोनी, कोटावली, भैसासुड़ा, कृष्णनगर एवं सागरपुर पंचायतों के ग्रामीणजन बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें प्रस्तुत की। जिनका निराकरण

संबंधित विभागों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।  
शिविर में आमजनों की सुविधा के लिए पंजीयन कार्ड बनवाया गया था। जिसके माध्यम से लोगों ने अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन दिया। शिविर में स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत एवं

आवास प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं 1 हितग्राही को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया।  
इस दौरान 4 गर्भवती महिलाओं की गोदभरवाई एवं 3 शिशुओं का अन्नप्राशन संभल करवाया गया। साथ ही महिलाओं को पोषण आहार, मातृ स्वास्थ्य जांच एवं स्वास्थ्य प्रसव से अलग करवाया गया तथा शिशुओं के अभिभावकों को शिशु पोषण, टीकाकरण एवं देखभाल संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई। जनसमस्या निवारण शिविर में कलेक्टर राजेंद्र कटार ने उपस्थित आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर पूर्व में ही आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं, जिनका विभागों द्वारा प्राक्तानुसार निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि जो प्रकरण राज्य स्तर से संबोधित हैं, उन्हें शासन को अलग करवा जाएगा, साथ ही जिला स्तर के मामलों का निराकरण स्थानीय स्तर पर ही किया जाएगा, ताकि लोगों को त्वरित राहत

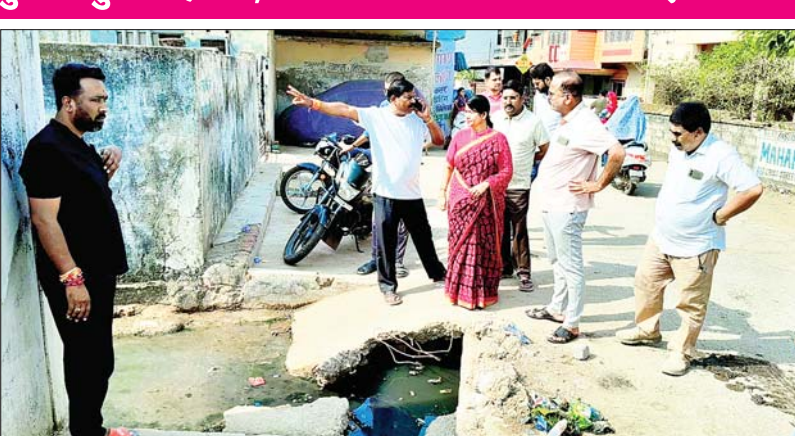


सिंहानक: 05.05.2026, स्थान: अंबिकापुर (छ.ग.)

महापौर अलका बाघमार ने वार्ड 59 में किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण, नाली निकासी सुधार के लिए निर्देश

वार्ड पार्श्व की शिकायत पर तुरंत पहुंचीं महापौर, अधिकारियों को मौके पर दिए निर्देश

**जनधारा समाचार**  
**दुर्ग।** नगर पालिक निगम नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने आज लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, पार्श्व श्रीमती नीलम शिवेंद्र परिहार, अरुण सिंह, शिवेंद्र परिहार, सहायक अभियंता राजेंद्र ढबाले, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गाश गुप्ता, उपअभियंता फंज साहू सहित निगम अमले के साथ वार्ड क्रमांक 59 कातुलबोर्ड हरिनगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पार्श्व श्रीमती नीलम शिवेंद्र परिहार द्वारा क्षेत्र में नालियों में जमा गंदगी एवं जल निकासी की समस्या की शिकायत पर महापौर तत्काल मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने नालियों में जमी गंदगी और अवरुद्ध जल निकासी को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए।  
महापौर ने स्पष्ट रूप से कहा कि जहां-जहां नालियां क्षतिग्रस्त (डेमेज) हैं, उनका शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण रिपेयर किया जाए, ताकि पानी की सुचारु निकासी सुनिश्चित हो सके और नागरिकों



को किसी प्रकार की परेशानी न हो।  
इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए नियमित रूप से मॉनिंग निरीक्षण किया जाए और लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर श्रीमती बाघमार ने

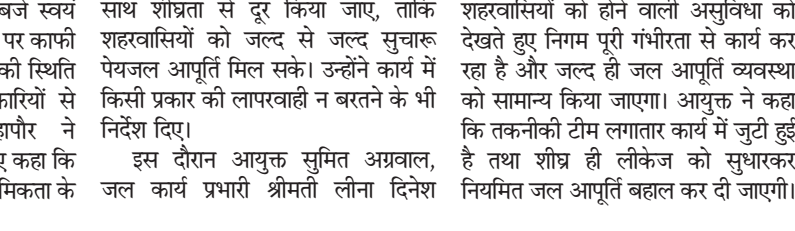
वार्ड क्रमांक 59 हरिनगर के क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हर समस्या का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाएगा।

फिल्टर प्लांट में लीकेज का महापौर ने किया निरीक्षण, जल्द सुधार के लिए निर्देश

जल आपूर्ति बाधित होने पर महापौर अलका बाघमार सुबह 7 बजे पहुंचीं मौके पर

**जनधारा समाचार**  
**दुर्ग।** नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत स्थित 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट में लीकेज की बड़ी समस्या उत्पन्न होने के कारण शहर के कई वार्डों में बीते शाम से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। उक्त समस्या के निराकरण हेतु मरम्मत कार्य लगातार जारी है।  
मरम्मत कार्य की प्रगति का जायजा लेने महापौर श्रीमती अलका बाघमार आज प्रातः 7 बजे स्वयं फिल्टर प्लांट पहुंचीं। उन्होंने मौके पर काफी समय तक उपस्थित रहकर कार्य की स्थिति का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बॉल लीकेज की समस्या को प्राथमिकता के

देवांगन, लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर चंद्राकर, काशीराम कोसरे, अरुण सिंह, श्रीमती सुरेश उमरे, कार्यालय अभियंता प्रकाश थवानी, सहायक अभियंता गिरीश दीवान, इंजीनियर विनोद मांझी, मोहित मरकाम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।  
महापौर ने कहा कि शहरवासियों को होने वाली असुविधा को देखते हुए निगम पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है और जल्द ही जल आपूर्ति व्यवस्था को सामान्य किया जाएगा। आयुक्त ने कहा कि तकनीकी टीम लगातार कार्य में जुटी हुई है तथा शीघ्र ही लीकेज को सुधारकर नियमित जल आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।



सिंहानक: 05.05.2026, स्थान: अंबिकापुर (छ.ग.)

कनेर और आम की छांव में जनसमस्या निवारण शिविर

● 514 आवेदन प्राप्त, 72 का मौके पर निराकरण  
● सुशासन तिहार 2026 के तहत सांस में आयोजन  
**कोरिया।** सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत मंगलवार को बैकुंठपुर जनपद पंचायत के ग्राम सांस में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कनेर और आम के पेड़ों की ठंडी छांव में आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। भीषण गर्मी को देखते हुए आयुष विभाग द्वारा पानकम (शीतल पेय) की व्यवस्था की गई, जिससे लोगों को राहत मिली। आम लोगों ने इस व्यवस्था की सराहना की। कार्यक्रम में बैकुंठपुर विधायक बीधालाल राजवाड़े ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यधर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा श्रम कार्ड जैसी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि इनका अधिक से अधिक लाभ उठाया जाए। विधायक



**सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया** Central Bank of India  
क्षेत्रीय कार्यालय, अंबिकापुर  
Regional Office : Ambikapur  
**सार्वजनिक सूचना**  
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर आगामी महीनों में नीलामी की जाने वाली संपत्तियों की जानकारी देने के लिए एक प्रॉपर्टी एक्सपोजे का आयोजन कर रहा है। एक्सपोजे स्थल का विवरण: क्षेत्रीय कार्यालय, भूरतल, धनजल कॉम्प्लेक्स, रिंग रोड, नमनाकला, अंबिकापुर, झुजल । दिनांक: 06/05/2026, समय: सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक । इच्छुक व्यक्तियों से एक्सपोजे में उपस्थित होने का अनुरोध है।  
दिनांक: 05.05.2026, स्थान: अंबिकापुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

**न्यायालय नायब तहसीलदार मुंगेली, जिला-मुंगेली (छ.ग.)**  
**// उद्घोषणा //**  
ई-कोर्ट क्रमांक: 2026032575000  
ग्राम-गोपलपुर तह. व जिला-मुंगेली (छ.ग.)  
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रामभरण यादव पिता/पति संतराम जाति यादव साकिन नैयाकपा तहसील व जिला मुंगेली द्वारा ग्राम पी.नं. 25 रा.नि.मं. खेरा-सेताना तहसील मुंगेली स्थित भूमि खसरा नं. 27, 29/2 रकबा 0.9430 हे. 0.5750 हे. एकड़/हेक्टेयर का (बच्चारा) किये जाने बाबत आवेदन पत्र पेश किया गया है।  
अतएव (इस वार्ता) किया जाना प्रस्तावित है। इत संबंध में यदि किसी को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे अपना दावा/आपत्ति ईशतहार प्रकरण नं. 11:00 बजे दिन को स्वयं/अपने प्राधिकृत के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निम्न समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।  
ईशतहार आज दिनांक 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।  
नायब तहसीलदार मुंगेली (छ.ग.)

**न्यायालय तहसीलदार लालपुर थाना जिला-मुंगेली (छ.ग.)**  
**// ईशतहार //**  
रा.प्र.क्र. नं. 121/2026 क्रमांक/360/बाक/तह./2026  
लालपुर थाना, दिनांक 22/04/2026 सर्वगण/आ/आम जनता ग्राम बैगाकपा को सूचित किया जाता है कि आवेदक रेनबाई पति/पिता श्री जयकुमार जाति सतनामी साकिन नैयाकपा तहसील लालपुर थाना जिला-मुंगेली (छ.ग.) के द्वारा आवेदक के भाई दारिका आ. श्री या के मृत्यु दिनांक 30.04.2017 ग्राम बैगाकपा को हो जाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु इस न्यायालय से अंदेश हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।  
अतः उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो न्यायालय में दिनांक 07/05/2026 समय प्रातः 11:00 बजे दिन को स्वयं/अपने प्राधिकृत के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निम्न समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।  
आज दिनांक 22/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।  
तहसीलदार लालपुर थाना जिला-मुंगेली (छ.ग.)





## ज्येष्ठ माह व्रत-त्योहार

निर्जला एकादशी और गंगा दशहरा सहित इस महीने आएंगे 5 बड़े पर्व

ज्येष्ठ माह को जेट का महीना भी कहा जाता है, जो हिंदू कैलेंडर का तीसरा महीना है। इस बार ज्येष्ठ माह की शुरुआत 2 मई से हो रही है, जो 29 जून तक चलने वाला है। यह महीना इसलिए भी खास है, क्योंकि इसी में निर्जला एकादशी व्रत से लेकर बड़ा मंगल तक मनाया जाता है। चलिए पढ़ते हैं ज्येष्ठ माह में कौन-कौन से प्रमुख व्रत-त्योहार पड़ रहे हैं।

### बड़ा मंगल

ज्येष्ठ माह में आने वाले मंगलवार को बड़ा मंगल या बुद्धवा मंगल कहा जाता है। इस दिन पर हनुमान जी की पूजा विशेष महत्व रखती है, क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ महीने के एक मंगलवार को ही भगवान राम और भगवान हनुमान की पहली भेंट (मुलाकात) हुई थी। अधिकमास होने के कारण इस बार ज्येष्ठ माह में 8 बड़े मंगल पड़ रहे हैं। पहला बड़ा मंगल 5 मई को पड़ रहा है। वहीं आखिरी यानी आठवें बड़े मंगल का व्रत 23 जून को किया जाएगा।

### वट सावित्री व्रत और शनि जयंती

ज्येष्ठ माह में आने वाली अमावस्या तिथि पर सुहागिन महिलाओं द्वारा वट सावित्री व्रत किया जाता है, जो इस बार 16 मई को किया जाएगा। माना जाता है कि

सुहागिन महिलाओं द्वारा इस व्रत करो करने से उन्हें अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही इस दिन पर शनि अमावस्या भी पड़ रही है, जो हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखती है।

### गंगा दशहरा

ज्येष्ठ माह में मनाए जाने वाला गंगा दशहरा एक महत्वपूर्ण तिथि है, जो इस बार 25 मई को मनाई जाएगी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल की दशमी तिथि पर ही मां गंगा देवलोक से धरती पर अवतरित हुई थीं। इस तिथि को गंगा स्नान, दान, जप-तप, उपासना और उपवास के लिए उत्तम माना गया है।

### निर्जला एकादशी व्रत

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर निर्जला एकादशी का व्रत किया जाता है, जिसे भीमसेनी एकादशी भी कहते हैं। इस बार यह व्रत गुरुवार, 25 जून को किया जाएगा। साल की सभी 24 एकादशियों में से निर्जला एकादशी सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी गई है, क्योंकि इस दिन निर्जला व्रत करने से श्रद्धालु को साल की सभी चौबीस एकादशियों के उपवास रखने के समान फल मिलता है।

## ज्येष्ठ माह 2026: 5 प्रमुख त्योहार

- ॐ 16 मई: शनि जयंती
- 🌸 16 मई: वट सावित्री व्रत
- 🌊 25 मई: गंगा दशहरा
- 📅 25 जून: निर्जला एकादशी
- 🌙 27 जून: ज्येष्ठ (वट) पूर्णिमा



## वट सावित्री की पूजा में बरगद को अर्पित करें 4 चीजें, मिलेगा व्रत का पूरा फल

हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं के लिए वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व है। ज्येष्ठ माह की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पर्व पति की लंबी आयु, बेहतर स्वास्थ्य और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति का प्रतीक है। इस बार यह पवन व्रत सोमवार, 16 मई को रखा जाएगा। चलिए जानते हैं कि इस दिन पूजा में आप किन चीजों को अर्पित करके लाभ पा सकते हैं।

### क्यों खास है यह व्रत?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन माता सावित्री ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और पतिव्रत धर्म के बल पर यमराज को उनके पति सत्यवान के प्राण लौटाने पर मजबूर कर दिया था। माना जाता है कि यमदेव ने बरगद (वट) के पेड़ के नीचे ही सत्यवान को पुनर्जीवन दिया था। इसीलिए इस दिन पर विशेष तौर से वट वृक्ष की पूजा को साक्षात ईश्वर की आराधना माना जाता है।

### जरूर अर्पित करें ये चीजें

वट सावित्री व्रत के दिन वट वृक्ष की पूजा के दौरान सूती वस्त्र, लाल फूल, सिंदूर, कच्चा सूत, अक्षत (अटूट चावल), जनेऊ, चंदन और पान-सुपारी अर्पित करने चाहिए। इसके बाद पेड़ के पास घी का दीपक जलाएं और अपनी श्रद्धा के अनुसार, पेड़ के चारों ओर 7 या 108 बार परिक्रमा करते हुए कच्चा सूत या मोली (लाल/पीला धागा) लपेटें। ऐसा करने से वैवाहिक संबंध मजबूत होते हैं।

### माता सावित्री को अर्पित करें श्रृंगार

व्रत के दौरान केवल पेड़ की ही नहीं, बल्कि माता सावित्री की भी विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। माता को सिंदूर, कुमकुम, मेहंदी, चूड़ियां और बिंदी जैसी श्रृंगार की सामग्री जरूर चढ़ाएं। मान्यता है कि माता सावित्री को सुहाग का सामान चढ़ाने से व्रती महिला को 'अखंड सौभाग्य' का आशीर्वाद मिलता है।



## अखंड सौभाग्य पाने का मौका

ज्येष्ठ माह में 2 बार रखा जाता है वट सावित्री व्रत

पौराणिक कथाओं व मान्यताओं के अनुसार, सावित्री ने यमदेव को उसके पति सत्यवान के प्राण लौटाने के लिए विवश कर दिया था। इसलिए विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए वट सावित्री व्रत करती हैं।

इस दिन विशेष रूप से बरगद के पेड़ की पूजा-अर्चना की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि ज्येष्ठ माह में वट सावित्री व्रत दो बार क्यों रखा जाता है? चलिए जानते हैं इसके पीछे का कारण।

### वट सावित्री व्रत का महत्व

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, सावित्री ने मृत्यु के देवता भगवान यम को अपने पति सत्यवान के प्राण को लौटाने पर विवश किया था। इसलिए विवाहित महिलाएं अपने पति की सकुशलता और लंबी उम्र की कामना से वट सावित्री व्रत का पालन करती हैं। माना जाता है कि इस व्रत को करने से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद तो मिलता ही है, साथ ही यह व्रत पति-पत्नी के रिश्तों को मजबूत कर है, वैवाहिक जीवन की परेशानियों को दूर करता है।

### ये है दो बार व्रत का मुख्य कारण

तिथि और क्षेत्रों के भेद के कारण वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ माह में दो बार यानी एक ज्येष्ठ माह की अमावस्या और ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि पर किया जाता है। इसके साथ ही क्षेत्रीय मान्यताओं, पंचांगों के मतभेद और पौराणिक मान्यताओं में अंतर भी इसके प्रमुख कारण हैं।

जहां उत्तर भारत जैसे यूपी, बिहार आदि में पूर्णिमांत कैलेंडर के आधार पर ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर वट सावित्री का व्रत किया जाता है, वहीं पश्चिम/दक्षिण भारत जैसे महाराष्ट्र और गुजरात आदि राज्यों में अमांत कैलेंडर के आधार पर पूर्णिमा को यह व्रत रखा जाता है।

## वट सावित्री पूजा की विधि और शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ महीने में आने वाला वट सावित्री व्रत शादीशुदा महिलाओं के लिए खास माना जाता है। यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन के लिए रखा जाता है। हर साल यह व्रत ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को किया जाता है।

ज्येष्ठ महीने में आने वाला वट सावित्री व्रत शादीशुदा महिलाओं के लिए खास माना जाता है। यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन के लिए रखा जाता है। हर साल यह व्रत ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को किया जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन देवी सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस ले लिए थे। इस वजह से यह व्रत अखंड सौभाग्य से जुड़ा माना जाता है। महिलाएं इस दिन व्रत रखकर बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं और उसकी परिक्रमा करती हैं। साथ ही अपने पति की लंबी उम्र और खुशहाल

जीवन की कामना करती हैं।

### 16 मई को रखा जाएगा व्रत

साल 2026 में वट सावित्री व्रत 16 मई, शनिवार को रखा जाएगा। पंचांग के अनुसार, अमावस्या तिथि 16 मई को सुबह 5 बजकर 11 मिनट से शुरू हो रही है और 17 मई को रात 1 बजकर 30 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि के हिसाब से व्रत 16 मई को ही मान्य रहेगा।

### बरगद के पेड़ की पूजा होती है

इस दिन महिलाएं व्रत रखकर वट यानी बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं। साथ ही देवी सावित्री और सत्यवान का स्मरण किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से दांपत्य जीवन में स्थिरता और सुख बना रहता है।

### व्रत के दिन बन रहे हैं कई शुभ योग

इस बार व्रत के दिन कुछ अच्छे योग

भी बन रहे हैं। 16 मई को सुबह से लेकर करीब 10 बजकर 26 मिनट तक सौभाग्य योग रहेगा। इसके बाद शोभन योग शुरू हो जाएगा। दोनों ही योग शुभ माने जाते हैं, इसलिए इस दिन पूजा का महत्व और बढ़ जाता है।

नक्षत्र- सुबह से शाम करीब 5 बजकर 30 मिनट तक भरणी नक्षत्र रहेगा। इसके बाद कृत्तिका नक्षत्र शुरू होगा।

मुहूर्त- इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 7 मिनट से 4 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। सूर्योदय करीब 5 बजकर 30 मिनट पर होगा।

शुभ समय सुबह 7 बजकर 12 मिनट से 8 बजकर 54 मिनट तक माना गया है। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 50 मिनट से 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। दोपहर में चंद्र मुहूर्त 12 बजकर 18 मिनट से 2 बजे तक रहेगा, जिसमें भी पूजा की जा सकती है।



## अपरा एकादशी पूजा का शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व माना जाता है और ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को अपरा एकादशी कहा जाता है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है और इसे पापों से मुक्ति दिलाने वाली एकादशी के रूप में जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से व्रत और पूजा करने से व्यक्ति को जीवन के कष्टों से राहत मिलती है और पुण्य फल की प्राप्ति होती है। वहीं इस साल दो दिन एकादशी पड़ने की वजह से अपरा एकादशी को लेकर संशय बना हुआ है। आइए जानते हैं कब है अपरा एकादशी तिथि और पूजा का शुभ मुहूर्त...



### अपरा एकादशी 2026 तिथि

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर अपरा एकादशी व्रत किया जाता है। इस तिथि की शुरुआत 12 मई को दोपहर 02 बजकर 52 मिनट पर होगी। वहीं, समापन 13 मई को दोपहर 01 बजकर 29 मिनट पर होगा। ऐसे में 13 मई को अपरा एकादशी मनाई जाएगी।

### अपरा एकादशी शुभ मुहूर्त 2026

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 08 मिनट से 04 बजकर 50 मिनट तक  
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 33 मिनट से 03 बजकर 27 मिनट तक  
गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 02 मिनट से 07 बजकर 23 मिनट तक  
निशिता मुहूर्त - रात 11 बजकर 56 मिनट से 12 बजकर 38 मिनट तक

### अपरा एकादशी का धार्मिक महत्व

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, अपरा एकादशी का व्रत करने से मनुष्य को अश्वमेध यज्ञ, तीर्थ स्नान और दान के बराबर पुण्य फल मिलता है। यह व्रत विशेष रूप से उन लोगों के लिए लाभकारी माना गया है, जिन्होंने जीवन में किसी प्रकार के पाप या गलत कर्म किए हों और वे उनसे छुटकारा पाना चाहते हों। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, व्रत कथा का श्रवण और दान-पुण्य करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

डिसक्लेमर- इस लेख को विभिन्न माध्यमों जैसे ज्योतिषियों, पंचांग, मान्यताओं या फिर धर्मग्रंथों से संग्रहित कर ये जानकारीयां आप तक पहुंचाई गई हैं। हमारा उद्देश्य महज सूचना पहुंचाना है। इसके सही और सिद्ध होने की प्रामाणिकता नहीं दे सकते हैं। इसके किसी भी तरह के उपयोग करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

## गंगा दशहरा

### इस पवित्र नदी का पौराणिक महत्व और कथा

आज गंगा दशहरा है। यह पर्व ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि को मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन गंगा का अवतरण धरती पर हुआ था। इस दिन गंगा स्नान, गंगा जल का प्रयोग और दान करना विशेष लाभकारी होता है। इस दिन गंगा की आराधना करने से पापों से मुक्ति मिलती है। व्यक्ति को मुक्ति मोक्ष का लाभ मिलता है।

### गंगा का पौराणिक महत्व

माना जाता है कि गंगा का जन्म भगवान विष्णु के पैरों से हुआ था। साथ ही, यह शिव जी की जटाओं में निवास करती है। शिवजी ने अपनी जटाओं को सात धाराओं में विभाजित कर दिया। ये धाराएं हैं- नलिनी, हृदिनी, पावनी, सीता, चक्षुष, सिंधु और भागीरथी। भागीरथी ही गंगा हुई और हिन्दू धर्म में

मोक्षदायिनी मानी गई। गंगा दशहरा पर क्या करें? इस दिन किसी पवित्र नदी या गंगा नदी में स्नान करें। घी मिश्रित तिल और गुड़ को या तो जल में डालें या पीपल के नीचे रख दें। मां गंगा का ध्यान करके उनकी पूजा करें। उनके मंत्रों का जाप करें। पूजन में जो भी सामग्री प्रयोग करें उनकी संख्या 10 होनी चाहिए। विशेष रूप से 10 दीपक का प्रयोग करें। दान भी दस ब्राह्मणों को करें। लेकिन ब्राह्मणों को दिए जाने वाले अनाज सोलह मुद्दी होने चाहिए

कैसे हुआ मां गंगा का अवतरण? एक बार महाराज सगर ने व्यापक यज्ञ किया। उस यज्ञ की रक्षा का भार उनके पौत्र अंशुमान ने संभाला। इंद्र ने सगर के यज्ञीय अश्व का अपहरण कर लिया। यह यज्ञ के लिए विघ्न था। परिणाम स्वरूप अंशुमान ने सगर की सात हजार प्रजा लेकर अश्व को खोजना शुरू कर दिया।



## जांजगीर-चांपा में 50 लोगों की घर वापसी

जांजगीर-चांपा। शिवरीनारायण के समीप स्थित श्री राम मिलेगे आश्रम तेंदुआ धाम में आयोजित नौ दिवसीय रामकथा के दौरान सोमवार को जगदलपुर स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के सान्निध्य में एक विशेष कार्यक्रम में लगभग 50 लोगों ने सनातन संस्कृति के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त करते हुए पुनः घर वापसी का संकल्प लिया। इस आयोजन में अखिल भारतीय घर वापसी प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जुदेव की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहा, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण और अपनी जड़ों से पुनः जुड़ने का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया।

## झड़वर ने एसईसीएल कर्मी की पत्नी को किडनैप किया

सूरजपुर। जिले में झड़वर ने एसईसीएल के रिटायर्ड कर्मचारी की पत्नी को किडनैप किया। दरअसल महिला के पति को रिटायरमेंट के 50 लाख से भी ज्यादा रकम मिले थे, इसी बात की जानकारी झड़वर को पहले से थी। उसने पैसे के लालच में अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात की। 29 अप्रैल को 3 साथी घर में घुसे, उन्होंने पीने के लिए पानी मांगने के बहाने से बात की। इसके बाद मौका देखकर ललिता कुजूर (62) को पकड़ा, मुंह-आंख पर टेप लगाया और अपने साथ ले गए। इसके बाद पति को कॉल कर 22 लाख फिरीती मांगी। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। 4 दिन बाद पुलिस ने 2 आरोपियों को पकड़ा है, 1 फरार की तलाश जारी है। मामले की जानकारी मिलते ही डीआईजी और एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने तुरंत अगवा महिला को ढूँढने और आरोपियों को पकड़ने के लिए 3 पुलिस टीम बनाई। पुलिस टीमों ने मौके पर जाकर जांच की और आसपास के इलाकों में लगातार संच ऑपरेशन चलाया।

## पानी पर सख्ती: अवैध कनेक्शन पर होगी कार्रवाई

बिना मंजूरी बल्क कनेक्शन पर रोक, जीपीएस के बिना नहीं चलेंगे टैंकर

रायपुर। रायपुर में गर्मी के बीच पेयजल संकट को देखते हुए नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने समीक्षा बैठक में साफ कर दिया है कि अब बिना मंजूरी के दिए गए बल्क कनेक्शन और पानी की बर्बादी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में सामने आया कि पानी की उपलब्धता का सही आकलन किए बिना बड़ी संख्या में बल्क कनेक्शन दे दिए गए, जिसका खामियाजा अब आम लोगों को उठाना पड़ रहा है। कई इलाकों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा। महापौर मीनल चौबे ने निर्देश दिए कि अब कोई भी नया बल्क कनेक्शन एमआईसी की अनुमति के बिना जारी नहीं होगा। साथ ही गर्मी के मौसम में पेयजल के दुरुपयोग पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कनेक्शन पर कार्रवाई, सभी



## को पानी देना जिम्मेदारी

महापौर ने साफ कहा कि जितने भी वैध नल कनेक्शन हैं, उनमें नियमित और पर्याप्त पानी पहुंचाना निगम की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही सभी अवैध कनेक्शनों की पहचान कर कार्रवाई करने और उन्हें टैक्स दायरे में लाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि राजस्व भी बढ़ सके।

## पंप जबत होंगे

गर्मी के दौरान पानी खींचने के लिए अवैध रूप से पंप का उपयोग करने वालों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है। ऐसे पंपों को जब्त करने और अवैध निर्माणों पर नोटिस जारी कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अंतिम छोर तक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

## जीपीएस के बिना नहीं चलेंगे टैंकर

आयुक्त विश्वदीप ने टैंकर सप्लाई में पारदर्शिता लाने के लिए सख्त निर्णय लिया है। अब बिना जीपीएस सिस्टम के कोई भी टैंकर पानी की सप्लाई नहीं करेगा। यदि पानी की अवैध बिक्री की शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा। आयुक्त ने सभी पानी टैंकरों को प्रतिदिन पूर्ण रूप से भरने और उनकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मई माह में बढ़ने वाली शिकायतों को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को सतर्क रहने और जल आपूर्ति व सफाई से जुड़ी हर शिकायत का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया है। नगर निगम ने स्पष्ट कर दिया है कि जल संकट को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर जोन में अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।



## छत्तीसगढ़ सेक्रेटरी का फेक साइन कर 1.5 करोड़ टगे

## टीचर-चपरासी ने फर्जी जॉब लेटर व्हाट्सएप पर वायरल किया, लोगों से पैसे लिए; अरेस्ट

रायपुर। राजधानी रायपुर में टीचर और चपरासी ने मिलकर 34 लोगों से 1.5 करोड़ रुपये की ठगी की है। आरोपियों ने गवर्नमेंट जॉब का फर्जी नियुक्ति आदेश तैयार कर सोशल मीडिया पर वायरल किया, इसके ज्ञासे में आकर कई बेरोजगारों ने पैसे दे डाले, जब नौकरी नहीं लगी तो थाने पहुंचे।

## मामला राखी थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव में ठगी की प्लानिंग की थी। फर्जी आदेश में सचिव और उप-सचिव के डिजिटल हस्ताक्षरों का भी इस्तेमाल किया गया था। आरोपियों की पहचान डोंगरगढ़ के रहने वाले राजेश शर्मा और मनोज कुमार श्रीवास्तव के रूप में हुई है। राजेश सरकारी शिक्षक है, जबकि मनोज प्राइवेट स्कूल का क्लर्क है।

## सामान्य प्रशासन विभाग के नाम पर तैयार किया आदेश

जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने सामान्य प्रशासन विभाग के नाम से फर्जी आदेश तैयार किया

था। इस आदेश में परिवहन, राजस्व, वन, पंचायत और स्कूल शिक्षा विभाग में भर्ती का जिक्र किया गया था। आदेश को असली दिखाने के लिए सचिव और उप-सचिव के डिजिटल हस्ताक्षर का भी दुरुपयोग किया गया। यह फर्जी आदेश सोशल मीडिया, खासकर व्हाट्सएप पर वायरल किया गया, जिसके जरिए बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे मोटी रकम वसूली गई, लेकिन उनकी नौकरी नहीं लगी। इसके बाद पीड़ितों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

## मोबाइल डेटा के आधार पर आरोपियों की पहचान

जांच के दौरान तकनीकी सबूतों और मोबाइल डेटा के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की। दोनों आरोपी डोंगरगढ़ के रहने वाले हैं। इनमें राजेश शर्मा शासकीय शिक्षक है, जबकि मनोज कुमार श्रीवास्तव निजी स्कूल में क्लर्क है। पुलिस टीम ने डोंगरगढ़ पहुंचकर दोनों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव के कारण उन्होंने यह ठगी की योजना बनाई थी। कंप्यूटर के जरिए फर्जी नियुक्ति आदेश तैयार कर उसे मोबाइल के माध्यम से लोगों तक भेजा जाता था।

## आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कंप्यूटर सेट, प्रिंटर और अन्य डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। मामले में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अन्य संभावित पीड़ितों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि किसी भी सरकारी नौकरी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऑफर से सावधान रहें।

## 150 स्वच्छता दीदियों को 4 महीने से सैलरी नहीं मिली

## रायपुर में काम जारी, भुगतान रुका; निगम का चक्कर काट रही, अब नेता-प्रतिपक्ष से मुलाकात

रायपुर। रायपुर में स्वच्छता व्यवस्था संभालने वाली 150 स्वच्छता दीदियों पिछले 4 महीने से वेतन का इंतजार कर रही हैं। स्वच्छता दीदियों का कहना है कि, स्वच्छता सर्वेक्षण के बीच वो लगातार काम कर रही हैं, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। आज स्वच्छता दीदियों का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्या लेकर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी से मिला। महिलाओं ने बताया कि वे सूबा-गीला कचरा अलग करने से लेकर राजस्व वसूली तक में योगदान दे रही हैं, इसके बावजूद उन्हें चार महीने से वेतन नहीं मिला है।

निगम प्रशासन और महापौर से भी लगा चुकी हैं गुहार :



महिलाओं के मुताबिक, वे इस मुद्दे को लेकर कई बार निगम प्रशासन और महापौर से भी गुहार लगा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। इससे उनकी आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पड़ रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने जल्द भुगतान का कराने दिया आश्वासन : मामला सामने आने के बाद नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा कि एक तरफ सरकार महिला सशक्तिकरण की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को समय पर वेतन नहीं मिल रहा।

## टूरिज्म बोर्ड की महिला अधिकारी से सेक्स की डिमांड

रायपुर। रायपुर में टूरिज्म बोर्ड की महिला अधिकारी से फोन पर सेक्स की डिमांड की गई है। आरोप है कि अज्ञात नंबर से कॉल आया, शख्स महिला से उनके निजी जीवन के बारे में पूछने लगा। उससे संबंध बनाने की बात कही। महिला ने विरोध किया तो गाली-गलौज की। इसके बाद व्हाट्सएप पर अपनी न्यूड फोटो भी भेजी।



## फोन करके अश्लील बातों की, व्हाट्सएप पर न्यूड तस्वीरें भेजी, गालियां दी, एफआईआर दर्ज

महिला अधिकारी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अश्लील कॉल करने और आपत्तिजनक फोटो भेजने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़िता के शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। अज्ञात नंबर से किया कॉल : टिकरापारा पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने बताया कि 30 अप्रैल को सुबह एक अज्ञात नंबर से उन्हें कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने आपत्तिजनक बातें करते हुए पीड़िता के निजी जीवन से जुड़े सवाल पूछे और सेक्स की डिमांड की। महिला ने जब इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसे गालियां

देना शुरू कर दिया। इसके बाद 4 मई को सुबह फिर उसी नंबर से कॉल और व्हाट्सएप मैसेज आने लगे। इस बार आरोपी ने अपनी नग्न तस्वीरें भेजकर महिला को मानसिक रूप से परेशान किया। मानसिक तनाव से गुजर रही पीड़िता : पीड़िता के अनुसार इस घटना का असर उनकी निजी जिंदगी पर भी पड़ रहा है। इस तरह की हकतों से वह मानसिक तनाव में है। उन्होंने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में महिला ने संबंधित मोबाइल नंबर भी पुलिस को सौंपा है, जिसके आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि साइबर सेल की मदद से आरोपी की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

पुलिस बोली- जल्द होगी गिरफ्तारी : टिकरापारा पुलिस के अनुसार महिला अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।



## सेवा समर्पण- जनकल्याण का पर्याय चंदा देवी तिवारी हॉस्पिटल

## श्रद्धासुमन-स्मृति शेष

## पूज्य बाबूजी पंडित बंशराज तिवारी जी

(अधिवक्ता, समाज सेवी एवं पूर्व विधायक 1977-80) के

पुण्य स्मृति पर 101 वें जन्मजयंती के अवसर पर आयोजित

## 20 वे निःशुल्क रोग निदान शिविर

का शुभारंभ मुख्य अतिथि

## माननीय श्री गणेश शंकर मिश्रा जी

(सेवा निवृत्त IAS एवं उपाध्यक्ष नीति आयोग)

द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया जाएगा।

## शिविर में



नेत्र रोग



उदर रोग



अस्थि रोग



स्त्री रोग



दंत रोग



मुधमेह



रक्तचाप



हाइड्रोसील



हार्निया



बवासीर

## कार्यक्रम



दिनांक : 6 मई 2026 दिन बुधवार



समय : प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक

स्थान : चंदा देवी तिवारी हॉस्पिटल

पता : सिटी कोतवाली के सामने, भाटापारा रोड बलोदाबाजार (छ.ग.)